Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 164 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 18 दिसम्बर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

झूठ से मेल करने से जीवन की सम्पदा नष्ट हो जाती है।

The wealth of life will get destroyed if we meet falshood.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

छत्तीसगढ़ विधानसभा के रजत जयंती वर्ष में 'स्मृतियां' छायाचित्रों की प्रदर्शनी का शुभारंभ

छ.ग. विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष ने किया शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के 'रजत जयंती वर्ष' के उपलक्ष्य में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने आज विधान सभा परिसर में ''स्मृतियां'' छायाचित्रों की प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

प्रदर्शनी के शुभारंभ के पश्चात विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित मंत्रियों एवं विधायकों ने छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उसकी सराहना की। इस अवसर पर विधानसभा सचिव श्री दिनेश शर्मा भी उपस्थित थे। छायाचित्र प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ विधानसभा की स्थापना से लेकर वर्तमान तक के 25 वर्षों के ऐतिहासिक सफर के महत्वपूर्ण अवसर के छायाचित्रों को प्रदर्शित किया गया है। छायाचित्रों की इस प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ विधान सभा के आरंभ से लेकर वर्तमान तक विशिष्ट अतिथियों के छत्तीसगढ़ विधानसभा में विभिन्न कार्यक्रमों में आगमन एवं अन्य महत्वपूर्ण अवसरों के छायाचित्रों को प्रदर्शित किया गया है। यह प्रदर्शनी रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में पूरे वर्ष भर विधान सभा परिसर में लगी रहेगी। प्रदर्शनी स्थल पर नवा रायपुर में निर्माणाधीन नवीन विधान सभा भवन के 'मॉडल' को भी प्रदर्शित किया गया है।

मोदी सरकार के लिए संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की मूल प्रेरणा: अमित शाह

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में संविधान पर हुई चर्चा का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के लिए संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि वंचितों के कल्याण और राष्ट्र निर्माण की मूल प्रेरणा है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, देश की प्रगति के बारे में सार्थक चर्चा हुई। हमें बहुत लंबी लड़ाई के बाद आजादी मिली। संविधान पर चर्चा युवा पीढ़ी के लिए अच्छा है। देश कितना आगे बढ़ा, यह चर्चा जनता को इस बात का अहसास कराएगी। इस चर्चा में हम गहराई तक गए और हमारा लोकतंत्र पाताल की गहराई तक है। शाह ने कहा कि संसद के दोनों सदनों में हुई बहस देश के युवाओं के लिए शिक्षाप्रद होगी।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल के पक्ष में 269 वोट, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम से कराई गई वोटिंग

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में मंगलवार को केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने वन नेशन, वन इलेक्शन बिल पेश किया। इस बिल के पेश होने के बाद सांसद में जोरदार हंगामा हुआ। विपक्ष के सांसदों ने इस बिल को लोकतंत्र के खिलाफ बताया। इन सब के बीच इस बिल को स्वीकार कराने के लिए लोकसभा में वोटिंग कराई गई।

वन नेशन, वन इलेक्शन बिल के समर्थन में कुल 269 सांसदों ने वोटिंग की तो वहीं, इस बिल के खिलाफ 198 सांसदों ने मत दिया। इस बिल को स्वीकार कराने के लिए इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम से वोटिंग कराई गई। कांग्रेस, सपा और एनसीपी ने इस बिल को जेपीसी के पास भेजे जाने की मांग की। बिल को अब विचार-विमर्श के लिए संसद की संयुक्त समिति के पास भेजा जाएगा।

बता दें कि लोकसभा में इस बिल को पेश किए जाने का कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी, शिवसेना उद्धव गुट समेत कई विपक्षी दलों ने विरोध किया। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि जो एक साथ 8 राज्यों में विधानसभा चुनाव नहीं करा पाए वह पूरे देश में एक साथ चुनाव की बात करते हैं। वहीं, टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि यह बिल संविधान की मूल भावना के खिलाफ है।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि हम इस बिल का कड़े शब्दों में विरोध करते हैं। इस बिल के जरिए राष्ट्रपति को ज्यादा शक्ति दी गई है कि वह अब 82 ए के द्वारा विधानसभा को भंग कर सकते हैं। ये अतिरिक्त शक्ति राष्ट्रपति के साथ चुनाव आयोग को भी दी गई है। 2014 के चुनाव में 3700 करोड़ खर्च हुआ, इसके लिए ये असंवैधानिक कानून लाए हैं। संविधान में लिखा है कि पांच साल के कार्यकाल से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। वन नेशन, वन इलेक्शन बिल पूरे भारत के चुनाव को प्रभावित करेगा, हम ये नहीं होने देंगे। हम इसका विरोध करते हैं। इस बिल को जेपीसी में भेजा जाए।

वहीं, तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने वन नेशन, वन इलेक्शन विधेयक का समर्थन किया। चंद्रबाबू नायडू की पार्टी के सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि एक साथ चुनाव होने से देश का पैसा बचेगा। अगर एक साथ चुनाव होते हैं, तो लगभग 40 प्रतिशत खर्च बचेगा। इसी तरह हर पार्टी का पैसा भी बचेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ में तेजी से हो रहा है हवाई सेवाओं का विस्तार

रायपुर, अंबिकापुर और बिलासपुर शहरों को जोड़ने नई विमान सेवा 19 दिसंबर से शुरू होगी

- **पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगी बुकिंग, शुरूआती किराया मात्र 999, सप्ताह में तीन दिन गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को संचालित होगी उड़ानें**

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ में केन्द्र सरकार की रिजनल कनेक्टिविटी योजना के तहत हवाई सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। रिजनल कनेक्टिविटी योजना के तहत शुरू हो रही नई उड़ान सेवाओं का उद्देश्य हवाई यात्रा को न केवल किफायती बनाना है बल्कि क्षेत्र में यात्रियों के लिए पसंदीदा विकल्प भी बनाना है। इन उड़ानों के शुरू होने से व्यापारिक यात्रियों, पर्यटकों और स्थानीय समुदायों को बहुत लाभ होगा, समय की बचत होगी और आर्थिक विकास के नए द्वार खुलेंगे।

इसी कड़ी में रायपुर, अंबिकापुर और बिलासपुर को एयर कनेक्टिविटी से जोड़ने के लिए बड़ा कदम उठाया गया है। इन तीनों शहरों को जोड़ने के लिए नई उड़ान सेवा का संचालन 19 दिसंबर, 2024 से शुरू होने जा रहा है।

रायपुर, अंबिकापुर और बिलासपुर को जोड़ने वाली नई उड़ानें सप्ताह में तीन दिन गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को संचालित होंगी। यह नई सेवा न केवल यात्रा के समय को कम करेगी बल्कि इंटरसिटी यात्राओं को एक आरामदायक और सुविधाजनक बनाएगी, जिससे पर्यटन, व्यापार के अवसरों और क्षेत्रीय विकास को और बढ़ावा मिलेगा। इन शहरों में पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर यात्री विमान सेवा के लिए बुकिंग करा सकते हैं। इस नई उड़ान सेवा का शुरुआती किराया मात्र 999 रूपए रखा गया है। इस संबंध में अधिक जानकारी और बुकिंग के लिए www.flybig.in पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अब नए हैंडबैग के साथ संसद पहुंची प्रियंका गांधी, इस बार बांग्लादेशी हिंदुओं की बात

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की एक तस्वीर सामने आई है। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान प्रियंका गांधी मंगलवार को एक हैंडबैग लेकर पहुंचीं, जिसमें लिखा है, बांग्लादेश के हिंदुओं और ईसाइयों के साथ खड़े हों। इस बैग पर एकता को दर्शाती मुट्ठी और शांति दूत कबूतर बने हैं। केरल की वायनाड सीट से सांसद प्रियंका गांधी ने सोमवार को लोकसभा में बांग्लादेश का मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की थी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने शून्यकाल के दौरान बांग्लादेश का मुद्दा उठाते हुए कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ जो अत्याचार हो रहा है, सरकार को उसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, बांग्लादेश सरकार से बातचीत करनी चाहिए और पीड़ितों को पूरा समर्थन देना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वन नेशन वन इलेक्शन मुद्दे पर सरकार को घेरा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र जारी है. वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर सदन में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सरकार को घेरा. उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को लाल किला से भाषण देते समय वन नेशन वन इलेक्शन बोल तो देते हैं और 16 अगस्त होते ही चुनाव अलग-अलग करवाते हैं, जबकि पिछले समय हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव एक साथ हुए थे. चार राज्यों के चुनाव में उसे आपने नहीं कराया और यह वन नेशन वन इलेक्शन की बात कैसे कर लेते हैं. मान लो कोई सरकार बीच में गिर गई तो कैसे होगा, पंचायत चुनाव का क्या होगा. प्रियंका गांधी के बैग को लेकर सोमवार को सदन में हंगामा हुआ. इस पर भूपेश बघेल ने कहा, 16 दिसंबर को विजय दिवस था, लेकिन इस पर चर्चा नहीं हुई. पाकिस्तान के 93000 पाकिस्तानी सेना ने सरेंडर किया. इसका उल्लेख सदन में नहीं हुआ.

भजनलाल सरकार का एक वर्ष राजस्थान के फैलते प्रकाश का उत्सव, विकास को मिली गति : प्रधानमंत्री मोदी

46,300 करोड़ रुपये से अधिक की 24 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान की भजनलाल सरकार के एक साल पूरे होने के मौके पर जयपुर के दादिया में एक वर्ष-परिणाम उत्कर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पीएम मोदी ने 46,300 करोड़ रुपये से अधिक की 24 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस मौके पर जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैं राजस्थान की जनता को, राजस्थान की भाजपा सरकार को एक साल पूरा करने पर बहुत-बहुत बधाई देता हूं। भजनलाल सरकार का एक वर्ष राजस्थान के फैलते प्रकाश का उत्सव है। इस एक साल की यात्रा के बाद आप जब लाखों की संख्या में आशीर्वाद देने आए हैं, तो मेरा भी सौभाग्य है कि मैं आज आपके आशीर्वाद को प्राप्त कर सका।

बीते एक वर्ष में राजस्थान के विकास को नई गति, नई दिशा देने में भजनलाल और उनकी पूरी टीम ने बहुत परिश्रम किया है। ये पहला वर्ष एक प्रकार से आने वाले अनेक वर्षों को मजबूत नींव बना है। आज का उत्सव सरकार के एक साल पूरा होने तक सीमित नहीं है, ये राजस्थान के फैलते प्रकाश का भी उत्सव है, राजस्थान के विकास का भी उत्सव है।

पीएम मोदी ने कहा कि राजस्थान में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ रहे है। इससे राजस्थान के टूरिज्म को, यहां के किसानों को, नौजवान साथियों को बहुत फायदा होगा। अभी कुछ दिन पहले ही मैं निवेश शिखर सम्मेलन के लिए राजस्थान आया था। देश और दुनिया भर के बड़े-बड़े निवेशक यहां जुटे थे। आज यहां 45-50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। भाजपा सरकार ने यहां एक साल में हजारों भर्तियां भी निकाली हैं।

मुख्यमंत्री साय ने बाबा गुरू घासीदास जयंती की दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सतनाम पंथ के प्रवर्तक बाबा गुरू घासीदास जी की 18 दिसम्बर को जयंती पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री साय ने कहा है कि बाबा गुरू घासीदास जी ने अपने उपदेशों के माध्यम से दुनिया को सत्य, अहिंसा और सामाजिक सद्भावना का मार्ग दिखाया। उन्होंने सम्पूर्ण मानव जाति को 'मनखे-मनखे एक समान' का प्रेरक संदेश देकर समानता और मानवता का पाठ पढ़ाया। बाबा जी ने छत्तीसगढ़ में सामाजिक और आध्यात्मिक जागरण की आधारशिला रखी। उन्होंने लोगों को मानवीय गुणों के विकास का रास्ता दिखाया और नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना की। श्री साय ने कहा कि गुरू घासीदास जी का जीवन दर्शन और विचार मूल्य आज भी प्रासंगिक और समस्त मानव जाति के लिए अनुकरणीय हैं।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में उठाया ग्रामीण विकास का मुद्दा

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने आज लोकसभा में ग्रामीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अस्थायी निधि जारी करने के विषय में सवाल पूछते हुए ग्रामीण विकास मंत्रालय से इस संबंध में विवरण और मानदंड की जानकारी मांगी।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मांग की कि राज्यों द्वारा तैयार किए गए विशेष ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के लिए केंद्र सरकार अस्थायी निधि जारी करे। इसके जवाब में ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान ने बताया कि मंत्रालय किसी भी राज्य द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के लिए अस्थायी निधि जारी नहीं करता है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि मंत्रालय महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई), दीनदयाल अंत्योदय योजना (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन), ग्रामीण कौशल योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसे कई प्रमुख योजनाओं के तहत निधि जारी करता है।

मंत्री ने कहा कि इन योजनाओं के तहत निधि जारी करने की प्रक्रिया नियमानुसार तय दिशा-निर्देशों और योजनाबद्ध संरचना पर आधारित होती है। राज्यों को इसके लिए उपयोगिता प्रमाणपत्र, निधियों के उपयोग का विवरण और योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन की रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होती है। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने इस बात पर बल दिया कि केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय और विशेष योजनाओं पर ध्यान देना ग्रामीण विकास को नई गति प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता अटूट है। ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयासरत रहूंगा।

यह पहल सांसद बृजमोहन अग्रवाल के छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों के प्रति समर्पण और उनके विकास के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों को दर्शाती है।

छत्तीसगढ़ के विकास के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मिले बृजमोहन अग्रवाल

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के विकास और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। इस दौरान प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता पर भी विचार-विमर्श हुआ। सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से छत्तीसगढ़ को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं।

बेमेतरा के खण्डसरा गाँव में दो युवकों ने अपने क्षेत्र का नाम किया रोशन, सेना में हुए भर्ती

बमेतरा (विश्व परिवार)। देश सेवा के जुनून और सेना में भर्ती होने के जज्बे से भरे खण्डसरा अंचल के गाँव के दो युवकों का कर्मचारी चयन आयोग के द्वारा 2023 में अयोजित परीक्षा के माध्यम से जगमड़वा के मुकेश पाटिल, (भारत तिब्बत सीमा बल) पर वही लावतरा के विजय धृतलहरे, (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) पर चयनित हुए पूर्व में दो बार असफल होने पर भी हार न मानते हुए अपना प्रयास जारी रखा अंत तह सफल हुए है वहीं हेमेंद्र मंडावी, दीपक पाटिल, करण कुमार विगत वर्ष असफल होने पर भी आगामी भर्ती परीक्षा के लिए अपना प्रयास जारी रखे हुए है। विदित हो इस अंचल के ये पहले युवक है जो भारती सेना के लिए तैयार हो रहे है। सेना के क्षेत्र में चयन पर विद्यालय परिवार के प्राचार्य महेश साहू, अजय शर्मा, नीलम तिवारी, महादेव कौशल, अरविंद सोनी, श्रद्धा चंद्राकार, मोहित रावत, रोशन सिंहा, गोदावरी सिंहा, कविता, नीतू, ओंकार सिंहा, सहित ईष्ट मित्रों ने बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में इस क्षेत्र के ग्रामीण युवा सेनानी बनने की लिए प्रेरित होंगें, वही चयनित सेनानियों ने मार्गदर्शक के रूप में कार्य करने की बात कही।

सलाहकार समिति की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में आहूत की गई

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के महिला एवं बाल विकास विभाग के सलाहकार समिति की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में आहूत हुई। जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना भिलाई-1 विभाग से खुर्सीपार वार्ड क्रं. 48 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताए फौजी नगर वार्ड क्रं. 24 आंगनबाड़ी सहायिका, शंकर नगर छावनी वार्ड क्रं. 41 आंगनबाड़ी सहायिकाए शिवाजी नगर वार्ड क्रं. 37 आंगनबाड़ी सहायिका के नियुक्ति के लिए, प्राप्त आवेदनों को मूल्यांकन समिति की बैठक में अंतिम मूल्यांकन पत्रक मेरिट के आधार पर सूची तैयार करके दावा.आपत्ति के लिए प्रकाशन किया गया था। प्राप्त दावा-आपत्ति के निराकरण के पश्चात अंतिम चयनित सूची महापौर परिषद के समक्ष स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करने के पूर्व सलाहकार समिति में रखी गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग के सलाहकार समिति द्वारा मूल्यांकन परीक्षण किया गया। महापौर नीरज पाल एवं सलाहकार समिति के सदस्यो द्वारा सभी चयनित हितग्राहियों का वरिष्ठता सूची को देखा। परीक्षण में चयनित हितग्राहियो के चयन को सही पाया गया। सर्व सम्मति से एमआईसी में भेजे जाने हेतु स्वीकृति प्रदान किया गया। महापौर नीरज पाल ने बताया इससे वार्ड क्रं. 48, 24, 41 एवं 37 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका का चयन हो जाने से आंगनबाड़ी के स्थानीय आवश्यकताओ की प्रतिपूर्ति होगी। वार्ड वासियों को लाभ मिलेगा। मूल्यांकन समिति में उपस्थित सदस्य पार्षद साधना सिंह, अंजू सिन्हा, नोमिन साहू, लक्ष्मी गोपाल, उषा शर्मा, सचिव अजय शुक्ला, लिपिक मनहरण टण्डन आदि उपस्थित रहे।

प्लेसमेंट कैम्प में 71 आवेदकों का हुआ प्राथमिक चयन, 10 युवाओ को मिला ऑन द स्पॉट नियुक्ति पत्र

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री दीपक सोनी के. मार्गदर्शन में सोमवार को लाइवलीहुड कॉलेज सकरी बलौदाबाजार मे प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट कैम्प में 127 आवेदक उपस्थित हुए जिसमें से 71 का प्राथमिक चयन एवं 10 आवेदकों का स्थल पर ही नियुक्ति प्रदान किया गया। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा जानकारी प्रदान किया गया है कि जिले के शिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर प्रदान करने हेतु लाइवलीहुड कॉलेज सकरी बलौदाबाजार में सोमवार को निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा प्राप्त 297 पदों के लिये प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया। इस प्लेसमेंट कैम्प में नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम भाटापारा द्वारा बीमा अभिकर्ता के 20 पद, बीमा सखी (केवल महिला) के 20 पद, हेतु 27 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमे से 21 आवेदकों को प्राथमिक चयनित कर अपने संस्थान में उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया। मिसो कोरियर ऑफिस बलौदाबाजार द्वारा मैनेजर के 01 पद, डिलिवरी बाय के 10 पदों पर 18 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमे से 9 आवेदकों का प्राथमिक चयन एवं 2 आवेदकों को स्थल पर ही नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। शेष आवेदकों को 7 दिवस के अंदर अपने संस्थान पद उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया है। अलर्ट सेक्यूरिटी रायपुर द्वारा सेक्यूरिटी गार्ड के 50 पद, 10 पद महिला गार्ड हेतु, मार्केटिंग (पुरूष) के 08 पद, कम्प्यूटर आपरेटर के 04 पद, कारपेंटर (पुरूष) के 04 पद, सुपरवाइजर (पुरूष) के 05 पद, हेतु कुल 30 आवेदन प्राप्त हुआ है। जिसमें से 20 आवेदकों का प्राथमिक चयन कर अपने संस्थान पर उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया है। इंडिया हेल्प पॉइंट रायपुर रायपुर द्वारा एक्सक्यूटीव के 30 पद, सुपरवाइजर के 30 पद, मैनेजर के 5 पद, हेतु 34 आवेदन प्राप्त हुआ है। जिसमे से 10 आवेदकों का प्राथमिक चयन एवं 8 आवेदकों को स्थल पर ही नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। शेष आवेदकों को 7 दिवस के अंदर अपने संस्थान में उपस्थ्ति होने हेतु निर्देशित किया गया। टेक्नोटास्क बिजनेस सॉल्यूषन्स रायपुर द्वारा कस्टमर सपोर्ट एसोसिएट के 100 पद, हेतु 16 आवेदन प्राप्त हुआ है। जिसमें से 11 आवेदकों का प्राथमिक चयन कर अपने संस्थान पर 7 दिवस के अंदर उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया है।

डॉ. प्रदीप को मिला कैलाश गौतम अवार्ड

रायपुर (विश्व परिवार)। गुफ्तगू साहित्यिक संस्था, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश की ओर से 17 दिसंबर 2024 को सिविल लाइन स्थित बाल भारती स्कूल में आयोजित एक भव्य पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह में छत्तीसगढ़ के डॉ. प्रदीप शर्मा को उत्कृष्ट साहित्य लेखन हेतु प्रख्यात फिल्म निर्माता, निर्देशक, अभिनेता तिग्मांशु धूलिया एवं मशहूर गीतकार, साहित्यकार श्री यश मालवीय के कर कमलों से प्रतिष्ठित कैलाश गौतम अवार्ड दिया गया।

उल्लेखनीय है कि गुफ्तगू साहित्यिक संस्था देश के उन गिने-चुने साहित्यिक संस्थाओं में से एक है, जहाँ साहित्यिक सम्मान हेतु रचनाकारों से प्रविष्टियाँ नहीं मंगाई जाती, न ही कोई शुल्क ली जाती है बल्कि संस्था के पदाधिकारी स्वयं देश के विभिन्न भागों के रचनाकारों को उनकी रचनाकर्म और स्थापित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित रचनाओं के आधार पर चुनते हैं। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष डॉ. प्रदीप शर्मा को उनकी साहित्य साधना हेतु साहित्य मंडल, नाथद्वारा, राजस्थान; साहित्य अर्चन मंच, नागपुर; के बी हिंदी सेवा न्यास बिसौऊ, बदायूँ, उत्तरप्रदेश; कादंबरी सम्मान, जबलपुर मध्यप्रदेश की ओर से नगद राशि सहित पुरस्कृत किया गया था। डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा की विभिन्न विधाओं की अब तक अठारह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में वार्डों का आरक्षण 19 को

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ नगर पालिका नियम 1994 के प्रावधान अनुसार नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत निर्वाचन 2024 हेतु वार्डो में अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं महिलाओ का आरक्षण विहित प्राधिकारी द्वारा गुरुवार 19 दिसम्बर 2024 न्यायलय कलेक्टर बलौदाबाजार भाटापारा में किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार के 21 एवं नगर पंचायत टुंडरा के 15 वार्ड का आरक्षण 19 दिसम्बर 2024 को प्रात: 11 बजे, नगर पालिका परिषद भाटापारा के 31 एवं नगर पंचायत रोहंसी के 15 वार्डो का आरक्षण दोपहर 12 बजे से, नगर पालिका परिषद सिमगा के 15 एवं नगर पंचायत लवन के 15 वार्डो का आरक्षण अपरान्ह 1 बजे से, नगर पंचायत पलारी के 15 एवं नगर पंचायत कसडोल के 15 वार्डो का आरक्षण अपरान्ह 3 बजे से किया जाएगा।

नाम परिवर्तन की सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **मैं कल्पना दीपक अड्यालार निवासी प्लॉट नं. 114, शिवाजी चौक, केलकरवाड़ी, आर्वी रोड, वर्धा पिन. 442001** ने अपने पुराने नाम को बदलकर अपना नाम **कल्पना दीपक अड्यालकर** रख लिया है अत: आज से मुझे समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय एवं अन्य दस्तावेजों में नये नाम कल्पना दीपक अड्यालकर के नाम से ही जाना पहचाना जाए।

कल्पना दीपक अड्यालकर
प्लॉट नं. 114, शिवाजी चौक, केलकरवाड़ी, आर्वी रोड, वर्धा, पिन. 442001

लोन लेने के लिए ITR बनवायें मात्र 500/- में
शेखर गुप्ता ONLYTDS.COM
ITR GST
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिटर्न | Food Licence
इन्कम TAX फाईल | M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड | प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस | डिजिटल सिग्नेचर
9300755544, 8878655544

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर, रायपुर में निर्मित: **अमलताश परिसर** के अतर्गत दुकानों में से दुकान **क्रमांक-18. में श्री शिव कुमार गुप्ता पिता स्व. श्री रामदास गुप्ता** को स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। आबटी द्वारा दिनांक 04.12.2007 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी द्वारा उक्त दुकान के विक्रय हेतु **दिनांक 10.12.2024** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त दुकान **क्रेता श्रीमती मिथलेश गोयल पति श्री मोहन लाल गोयल** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अत किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को जमा दुकान के विक्रय के संबध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जायेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **सामान्य आवास योजनांतर्गत दोंदेखुर्द, रायपुर** में स्थित भवन **क्रमांक सीनि.एल.आई.जी.-207, श्री एस. के. चंद्राकर पिता स्व.श्री नोहर सिंग चंद्राकर,** के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश **क्रमांक-8039 दिनांक 20.11.2009** द्वारा स्वविक्तिय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में **दिनांक 17.03.2010** को लीजडीड पंजीकृत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है। मूल आबंटी **श्री एस. के. चंद्राकर पिता स्व.श्री नोहर सिंग चंद्राकर,** की मृत्यु **दिनांक 13.04.2021** को हो जाने के कारण उनकी **पत्नी श्रीमती शांति चन्द्राकर पति स्व. श्री एस. के. चंद्राकर, निवासी सीनि.एल.आई.जी.भवन क्रमांक-207 हाउसिंग बोर्ड कालोनी, दोंदेखुर्द, रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भवन को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, प्रस्तुत दस्तावेज के अनुसार उक्त भवन का नामांतरण किया जाना है।

अत: उक्त भवन के नामांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा **अवंति विहार तेलीबांधा, रायपुर** में निर्मित दीनयाल आवास योजनांतर्गत **एल.आई.जी. फ्लैट क्रमांक-98, ब्लॉक-07, भूतल, श्री अनुज वर्मन पिता श्री एस. आर. वर्मन** के नाम पर इस कार्यालय के पत्र **क्रमांक-349 दिनांक 13.12.2024** को नामांतरित है। वर्तमान में नामांतरी **श्री अनुज वर्मन पिता श्री एस.आर. वर्मन, निवासी-रिद्धी-सिद्धी अपार्टमेंट शंकर नगर रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त फ्लैट को क्रेता **श्रीमती श्रद्धा परिहार पति श्री अखिलेश परिहार, निवासी ब्लॉक-03, मकान नं.-33, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, आकाश नगर, वार्ड नं.-28, रायपुर (छ.ग.)** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त फ्लैट के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय बैंक अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन दिनांक के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कॉलोनी बोरियाकला, जिला-रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत **एल.आई.जी. फ्लैट क्रमांक-579 ब्लॉक-37 भूतल श्रीमती कामना गौर पति श्री राजेन्द्र सिंह गौर निवासी :- सिनियर एम.आई.जी.-37, हाउसिंग बोर्ड ऑफिस के पीछे कबीर नगर, रिंग रोड नं.-02, रायपुर तह व जिला-रायपुर (छ.ग.),** को इस कार्यालय के आंबटन आदेश **क्रमांक 9868 दिनांक 17.09.2009** के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आंबटित किया गया है। मूल आंबटी **श्रीमती कामना गौर पति श्री राजेन्द्र सिंह गौर** पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 05.02.2013** को लीजडीड निष्पादित करा लिया गया है। मूल आंबटी के द्वारा हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत आंबटी द्वारा नियुक्त (आम मुख्यार) **श्री रमेश चन्द्र तांडी पिता श्री कदलीबना तांडी निवासी: म.नं.-38/1125, विध्या नगर, छोटापारा रायपुर तह व जिला-रायपुर (छ.ग.)** द्वारा उपरांत उक्त फ्लैट को **क्रेता श्रीमती नीरा तांडी पति श्री रमेश चन्द्र तांडी पता: म.नं.-38/1125, विध्या नगर, छोटापारा रायपुर तह व जिला-रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में दिनांक 25.07.2023 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में **क्रेता श्रीमती नीरा तांडी पति श्री रमेश चन्द्र तांडी,** द्वारा उक्त फ्लैट को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट का फ्री-होल्ड उपरांत नाम दर्ज किये जाने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समायवधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत बोरियाकला, कॉलोनी, रायपुर में स्थित भवन क्रमांक **BANYAN-I/71 श्री सुरेश कुमार पंजवानी पिता स्व. श्री राजल दास पंजवानी,** के नाम से स्ववित्तिय आधार पर: आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन की लीजडीड **दिनांक 05.02.2015** को पंजीकृत कराने उपरान्त भवन की पूर्ण राशि जमाकर इस कार्यालय का पत्र **क्रमांक 9225 दिनांक 01.08.2015** के माध्यम से आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में **आबंटी श्री सुरेश कुमार पंजवानी पिता स्व.श्री राजल दास पंजवानी, निवासी-सी-89, टैगोर नगर, रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को **क्रेता श्रीमती शशी शर्मा पति श्री पंकज शर्मा निवासी वार्ड नम्बर-02. पोस्ट-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ.ग.)** के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व- साधारण को सूचित किया जाता है, कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा, दीनदयाल आवास योजनातर्गत **खम्हारडीह,** रायपुर में स्थित **एल.आई.जी. फ्लैट क्र. -299, ब्लॉक नं-13, (तृतीय-तल)** को इस कार्यालय के नामांतरण आदेश **क्रमांक 7834 दिनांक 28.12.2018** के द्वारा **श्रीमती रजनी वानखेड़े पति स्व. श्री घनश्याम वानखेड़े,** के नाम पर नामांतरित किया गया है।

वर्तमान में नामांतरी **श्रीमती रजनी वानखेड़े पति स्व. घनश्याम वानखेड़े, निवासी:- ब्लॉक नं-13, (तृतीय-तल) फ्लैट नं-299, हाउसिंग बोर्ड खम्हारडीह, रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त फ्लैट को **क्रेता श्रीमती निशा भारद्वाज पति श्री अंबिका प्रसाद भारद्वाज, निवासी:- एल.आई.जी-20, दीनदयाल कॉलोनी, नियर इंडोर स्टेडियम, बहतराई वार्ड नं-49, बी.आर.यादव नगर, बिलासपुर (छ.ग.)** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना विक्रय इकरारनामा, विक्रय विलेख, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज के साथ आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त फ्लैट के विक्रय करने के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय बैंक अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन दिनांक के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /15142/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2024
रायपुर, दिनांक 16-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15142
वार्ड का नाम- 07 - कुशभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **07** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226H05480** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SARLA SATHE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TARUN SATHE** के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **GURUPREET KAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LET AMARJEET SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /15310/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2024
रायपुर, दिनांक 16-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15310
वार्ड का नाम- 07 - कुशभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **07** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226E01865** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARENDRA PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE NETRAM PATEL** के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **GAURI YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GYANESHWAR PRASAD YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 626 दिनांक 16.12.2024
वार्ड का नाम- डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड
वार्ड क्र. 29 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **29** मांग **पंजी क्र. 230 युआईडी 26667** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **ढेलू राम देवांगन / बालाराम देवांगन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **ईश्वर प्रसाद / ढेलू राम देवांगन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **16-01-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 627 दिनांक 17.12.2024
वार्ड का नाम- रविशंकर शुक्ल वार्ड
वार्ड क्र. 13 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **13** मांग **पंजी क्र. 1072 युआईडी 33149** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **रोमा हिन्दुजा / कन्हैया हिन्दुजा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **मो. साबिर अंसारी / ऐनुल हक़** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **16-01-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 628 दिनांक 17.12.2024
वार्ड का नाम- रविशंकर शुक्ल वार्ड
वार्ड क्र. 13 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **13** मांग **पंजी क्र. 1085 युआईडी 33150** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **ममता हिंदुजा / लक्ष्मण हिंदुजा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **मो. साबिर अंसारी / ऐनुल हक़** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **16-01-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 629 दिनांक 17.12.2024
वार्ड का नाम- मां. परमेश्वरी वार्ड
वार्ड क्र. 25 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **25** मांग **पंजी क्र. 239 युआईडी 24775** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **मालती सिंह / धर्मेन्द्र सिंह** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **विमला चन्द्रा / देवचरण चन्द्रा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **16-01-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 630 दिनांक 17.12.2024
वार्ड का नाम- मां. परमेश्वरी वार्ड
वार्ड क्र. 25 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **25** मांग **पंजी क्र. 379 युआईडी 24915** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **रोशनदास मानिकपुरी / रविदास मानिकपुरी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **पुष्पा साहू / भूखन साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **16-01-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 631 दिनांक 17.12.2024
वार्ड का नाम- जय बुढ़ादेव वार्ड
वार्ड क्र. 27 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **27** मांग **पंजी क्र. 256 युआईडी 25511** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **खेलून साहू / प्रभु साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **बनवारी लाल महोबिया / मंगू लाल महोबिया** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **16-01-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 632 दिनांक 17.12.2024
वार्ड का नाम- जय बुढ़ादेव वार्ड
वार्ड क्र. 27 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **27** मांग **पंजी क्र. 361 युआईडी 25616** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **कमल ठाकुर / घसिया ठाकुर** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **सुरेन्द्र कुमार कोर्राम / वतुराम कोर्राम** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **16-01-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 633 दिनांक 17.12.2024
वार्ड का नाम- जय बुढ़ादेव वार्ड
वार्ड क्र. 27 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **27** मांग **पंजी क्र. 3 युआईडी 25258** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **केदार देवांगन / सुनहर देवांगन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **ओम प्रकाश देवांगन / सुनहरलाल देवांगन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **16-01-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर बुधवार 18 दिसंबर 2024

पूर्व मंत्री राम सेवक पैकर एवं पूर्व विधायक रजनी रवि शंकर त्रिपाठी ने बेटी पढ़ाओं और बाल विवाह हटाने अभियान का प्रारंभ किया

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- वी.एम. कालेज ऑफनर्सिंग ने बेटियों को पढ़ाने और बाल विवाह को रोकने के लिये एक संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व गृहमंत्री छत्तीसगढ़ शासन रामसेवक पैकरा जी एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक भटगाँव विधानसभा श्रीमती रजनी रविशंकर त्रिपाठी जी थी। कार्यक्रम में अशोक सिंह (जिला मंत्री भारतीय जनता पार्टी सूरजपुर) भी उपस्थित थे7 कार्यक्रम की अध्यक्षता वी.एम. कालेज ऑफनर्सिंग के संचालक विजयराज अग्रवाल ने की। रामसेवक पैकरा जी ने कार्यक्रम को उ?द्बोधित करते हुए कहा कि वी.एम. कालेज ऑफ नर्सिंग परिवार द्वारा आज जिस अभियान की शुरुआत की जा रही है, वाकई ये सभी के लिये प्रेरणादायक है। हर परिवार की बेटियां पढ़ी लिखी अवश्य होनी चाहिये। इस योजना का उ?द्देश्य पक्षपात लिंग चुनाव की प्रक्रिया का उन्मूलन एवं बालिकाओं के अस्तित्व, सुरक्षा और शिक्षा को सुनिश्चित करने के लिये किया गया था। यह योजना बालिकाओं को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाती है। इसके साथ ही बाल विवाह से जुड़े मामलों पर अंकुश लगाने के लिये भी वी.एम. कालेज ऑफ नर्सिंग के शिक्षकों और विद्यार्थियों की टीम बहुत अच्छा कार्य करेगी, इसकी में अपेछा करता हूं। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती रजनी त्रिपाटी जी ने कहा कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये एक सामाजिक आंदोलन और समान मुल्यों को बढ़ावा देने के लिये वी.एम. नर्सिंग कालेज द्वारा जो जागरुकता अभियान प्रारंभ किया जा रहा है, वो बहुत ही प्रेरणादायक है। मेरे द्वारा भी इस अभियान के क्रियान्वयन में सहयोग की आवश्यकता होगी मैं जरूर पूरा करूंगी। बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत् बाल विवाह पर रोक लगाने, पीड़ितों को राहत देने और इस तरह के विवाह को बढ़ावा देने वालों के लिये सजा जैसे प्रावधानो का उपलब्ध कराता है, किन्तु उसके बाद भी जागरुकता के अभाव में ग्रामीण क्षेत्रों में ये कुप्रथा आज भी चली आ रही है, इस पर रोक लगाने के लिये वी.एम.कालेज ऑफ नर्सिंग निश्चित ही सकारात्मक कार्य करेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वी.एम. कालेज ऑफ नर्सिंग के संचालक विजयराज अग्रवाल ने कहा कि बेटी पढ़ाओं और बाल विवाह हटाओ आज समाज की एक मूलभूत आवश्यकता है। उन्होने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक 2021 भी प्रभावी होना प्रस्तावित है। विजयराज अग्रवाल ने आगे बताया कि हम सभी ऐसे विद्यालयों में जायेगें जहां कि बालिकायें पढ़ रही है और उनसे एक संकल्प लेगें कि वे परिवार व समाज के दवाब में न आयें और अपनी शिक्षा पूरी करें और 21 वर्ष की अवस्था पूर्ण हो जाने के पश्चात ही विवाह हेतु अपनी सहमति दें। अगर बालिकाओं के साथ जबरदस्ती विवाह का दवाब डाला जाता है तो वो पंचायत प्रतिनिधियों एवं थाने में सम्पर्क कर सकती है। कार्यक्रम को अशोक सिंह जी ने भी संबोधित किया आज के इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम महात्मागाँधी एवं भारत माता की तस्वीर के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। वी.एम. कालेज ऑफ नर्सिंग बिश्रामपुर की छात्राओं के द्वारा स्वागत गान के उपरांत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि पूर्व गृहमंत्री छत्तीसगढ़ शासन रामसेवक पैकरा जी के द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई गई 7 आभार व्यक्त वी.एम कॉलेज ऑफ़नर्सिंग के प्राचार्य आदित्य सिंह के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में मंच संचालन वी.एम. कालेज ऑफ नर्सिंग की छात्रा रिंकी राजवाड़े एवं अंजु सोनी ने किया।

संक्षिप्त समाचार

कुदरगढ़ बागेश्वरी धाम लोक न्यास के विकास कार्यों को लेकर बैठक हुई

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-जिला संयुक्त कार्यालय सूरजपुर के सभा कक्ष में आज मां बागेश्वरी धाम लोक न्यास कुदरगढ़ धाम में आगामी समय में किये जाने वाले विकास कार्यों एंव अन्य विषयों के संबंध में चर्चा हेतु बैठक आयोजित किया गया था। चर्चा के विभिन्न बिन्दुओं में रोपवे निर्माण का विषय भी शामिल था। जिसके संबंध में सकरात्मक चर्चा की गई। इसके साथ ही ट्रस्ट के नये अध्यक्ष पद हेतु निर्वाचन के संबंध में भी चर्चा की गई। जिसमें सर्व सहमति से सभी उपस्थित गणमान्य द्वारा 23 दिसंबर तिथि का प्रस्ताव अध्यक्ष चुनाव के लिए रखा गया है। जो कि कुदरगढ़ के मंदिर प्रांगण में किया जाना है। बैठक में पूर्व गृह मंत्री श्री रामसेवक पैकरा, श्री भीमसेन अग्रवाल, श्री ओमकार पाण्डेय, आजीवन सदस्य व अन्य सदस्य, कलेक्टर श्री एस जयवर्धन, डीएफओ श्री पंकज कमल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, एसडीएम श्री सागर सिंह राज, जनपद सीईओ डॉ नृपेन्द्र सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नशा चढ़ने पर ट्रांसपोर्टर की पार्टी में दो पक्षों में मारपीट

कोरबा(विश्व परिवार)। पियो लेकिन रखो हिसाब की, थोड़ी-थोड़ी पिया करो। गायक पंकज उदास की चर्चित रचना पिछली रात औद्योगिक नगर कोरबा की एक होटल में सच साबित हुई। सूत्रों के अनुसार यहां एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के द्वारा वर्ष 2024 की विदाई के उपलक्ष में पार्टी का आयोजन किया गया। इसमें विदेशी शराब की भरपूर वैरायटी शामिल की गई। इसी के नशे में दो पक्षों में विवाद के बाद मारपीट करा दी। जिससे कुछ लोगों के नाक-नक्शे बिगड़ गए। इस मामले का वीडियो अब खूब वायरल हो रहा है। कोरबा शहर के ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र के अंतर्गत एक होटल में इस घटनाक्रम को लेकर अब लोग खूब चटखारे ले रहे हैं। जानकारी मिली कि न्यू ईयर 2025 को लेकर भले ही एक पखवाड़ा बचा है लेकिन इससे पहले ही कई जगह शुरू हो गए जबकि उस दिन के लिए एडवांस बुकिंग जारी है। इसी कड़ी में रात्रि को कोरबा के एक होटल में बड़ी पार्टी का आयोजन लॉजिस्टिक कंपनी के द्वारा रखा गया। नीतिगत रूप से इसमें वही लोग आमंत्रित थे जो इस क्षेत्र में काम करते हैं और जिनके उससे वास्ता है। आयोजन के द्वारा पार्टी के अंतर्गत सामान्य भोजन के अलावा मांस और शराब की जमकर व्यवस्था की गई। दावा किया जा रहा है कि भागीदारी करने वालों ने मुफ्त ए माल, दिले बेरहम- वाले अंदाज में जमकर खाया और पिया भी। नतीजा यह हुआ कि विदेशी शराब ने लोगों की चेतना को बुरी तरीके से प्रभावित किया।

आकर्षण का केंद्र बना विशालकाय साल वृक्ष

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रकृति की गोद में बसे कोरबा जिले में भारत के सबसे पुराने जीवित वृक्षों में से एक साल का विशालकाय पेड़ मौजूद है। इस महावृक्ष को देखते ही लोगों की आंखें खुली की खुली रह जाती हैं। इस वृक्ष को देवतुल्य मानकर इस महावृक्ष की पूजा करके ही स्थानीय ग्रामीण किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत करते हैं। लगभग 1400 साल पुराने इस महावृक्ष को देखने हर साल दूर-दूर से हजारों पर्यटक यहां आते हैं। लोक आस्था और महावृक्ष के संरक्षण के लिए वन विभाग की टीम यहां हमेशा इसकी सुरक्षा में तैनात रहती है। जानकारी के अनुसार इस महावृक्ष की परिधि 22 फीट एवं 7.01 फिट का व्यास हैं। लगभग 1400 साल पुराना साल का वृक्ष कोरबा से 45 किलोमीटर दूर ग्राम सतरेंगा में आसमान को छूते हुए खड़ा है। इस वृक्ष को स्थानीय ग्रामीण देवतुल्य मानकर इसकी पूजा करते हैं।

इंतकाल नहीं रही परशुरामपुर की दादी नूरबी बेगम

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)परशुरामपुर रामानुजनगर के कृषक जन्नत बसेरा जनाब नियामत खान की बेगम 92.वर्षीय नूरबी का गुजरे कल शनिवार की सुबह इंतकाल हो गया । विगत कुछ दिनों से बीमारी थी, आज स्थानीय कब्रिस्तान परशुरामपुर मे सुपुर्द ए खाक किया गया था,वे अपने पीछे तीन औलाद सहित भरा पूरा कुनबा छोड़ गई है

भारतीय मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का दो दिवसीय आठवां राज्य सम्मेलन विश्रामपुर में

कार्यकर्ताओं द्वारा की जा रही है जोर-शोर से तैयारीया

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का 8 वीं राज्य सम्मेलन आगामी 19 दिसंबर से बिश्रामपुर में होने जा रहा है।

उक्त जानकारी पार्टी के प्रवक्ता एवं श्रमिक संगठन सीटू के वरिष्ठ नेता ललन सोनी ने बताया कि भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का राज्य सम्मेलन 19, 20 दिसंबर बिश्रामपुर के एस ई सी एल के आइडिटोरियम हॉल में होने जा रहा है। इस सम्मेलन में पूरे प्रदेश से 150 प्रतिनिधि अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। सम्मेलन का उदघाटन पोलित ब्यूरो सदस्य डॉ राम चन्दर डोम करेंगे। सम्मेलन में देश के संकट जनक स्थिति विशेष कर बेरोजगारी ,महंगाई, सांप्रदायिकता,किसान विरोधी काला कानून ,मजदूर निरोधी चार श्रम कानून,कोयला सहित राष्ट्रीय समाप्ति का निजीकरण आदि विषय पर चर्चा करके आगामी आंदोलनों की रूपरेखा तय किया जाएगा। इस सम्मेलन में आगामी तीन साल के लिए नया नेतृत्व का चुनाव होगा साथ ही साथ अखिल भारतीय सम्मेलन के लिए प्रतिनिधियों का चुनाव होगा ।सम्मेलन का समापन पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मंडल सदस्य जोगेंदर शर्मा करेंगे। सम्मेलन को सफ्ल बनाने के लिए मा क पा के तरफ से पूरे शहर को पार्टी झंडा से सजाया जा रहा है, सम्मेलन की उपलक्ष्य में मजदूर, किसान, आदिवासियों में काफी उत्साह दिख रहा है। आज से प्रतिनिधियों का आना शुरू हो गया है। सम्मेलन को सफ्ल बनाने के लिए आम जनता से सहयोग राशि मांगा जा रहा है जिससे पार्टी को भरपूर मदद मिल रहा है।

ग्राम बरपाली महाविद्यालय में हिन्दी संगोष्ठी का हुआ आयोजन

कोरबा(विश्व परिवार)। शासकीय महाविद्यालय बरपाली में प्राचार्या डॉ. तारा शर्मा के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में हिन्दी विभाग के प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के द्वारा संगोष्ठी (सेमिनार) का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अभ्यागत वरिष्ठ पत्रकार व अध्यक्ष प्रबंधन समिति के.एन. महाविद्यालय किशोर शर्मा, डॉ. एम.एल. पाटले विभाग अध्यक्ष हिंदी, टीसीएल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जांजगीर प्राचार्य, डॉ. सी.पी. नंद, डॉ. ए.के. सिंह के द्वारा मां सरस्वती के तैल्य चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित पुष्प अर्पण व सरस्वती वंदना कर किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का शाल, श्रीफ्ल मोमेंटो से स्वागत किया गया। अभ्यागत के परिचय के लिए हिन्दी विभाग के डी.डी. महंत ने समस्त छात्र-छात्राओं को परिचित कराया। उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. तारा शर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उनका आभार जताया। डॉ. एम.एल. पाटले ने हिन्दी साहित्य के इतिहास, भक्तिकाल पर छात्र-छात्राओं को व्याख्यान दिया। किशोर शर्मा द्वारा प्रयोजन मूलक हिन्दी पत्रकारिता पर व्याख्यान दिया गया। सभी छात्र-छात्राएं प्रखर वक्ता के व्याख्यान से लाभांवित हुए। कार्यक्रम का संचालन डी.डी. महंत, बबीता साहू के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में डॉ. टी.एल. मिर्झा, डॉ. वी.एम. अग्रवाल, डॉ. राजलक्ष्मी सर्राफ सुश्री लक्ष्मी साहू, अरविंद कुमार खाखा, कोमलेश वैष्णव सहित हिन्दी प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं का योगदान रहा।

गोर्खाली समाज के भवन का जल्द शुरू होगा निर्माण

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले में एकता नगर चेकपोस्ट कोहड़िया में प्रांतीय गोर्खाली समाज के सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इससे भवन की कमी दूर होगी। समाज के अध्यक्ष कबी गौतम ने बताया कि विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने के कारण उक्त सामुदायिक भवन के निर्माण से जुड़े निविदा की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई थी। इसकी प्रक्रिया दोबारा शुरू कराने गोर्खाली समाज के प्रमुख पदाधिकारियों ने वाणिज्य, उद्योग व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन से मिलकर सामुदायिक भवन के निर्माण की निविदा प्रक्रिया को आगे बढ़ाने आग्रह किया था। निगम के अभियंताओं से जानकारी लेने पर बताया है कि जल्द ही सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए निविदा की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। प्रस्तावित स्थल का भी निगम के इंजीनियरों ने मौका मुआयना किया है। इस अवसर पर प्रांतीय गोर्खाली समाज के उपाध्यक्ष संपत यादव, जिलाध्यक्ष शंकर पुरी, प्रदेश महासचिव ललिता सिंह, संगठन सचिव माया थापा, सदस्य कृष्ण बहादुर प्रधान, पूर्व एल्डरमैन रविन्द्र सोन आदि उपस्थित रहे।

गवाही के अभाव में कई बंदियों के प्रकरण लंबित

जिला जेल व उपजेल का निरीक्षण किया प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने

कोरबा(विश्व परिवार)। 15 दिसंबर को माननीय श्री सत्येन्द्र कुमार साहू, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा एवं कु. डिम्पल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा जिला जेल कोरबा एवं उपजेल कटघोरा का निरीक्षण किया गया। जिला जेल कोरबा में पुरूष अभिरक्षाधीन बंदी की संख्या 230, जिसमे से महिला अभिरक्षाधीन बंदी 22 तथा 208 पुरुष अभिरक्षाधीन बंदी एवं उपजेल कटघोरा में 198 अभिरक्षाधीन बंदी तथा 01 सजायाफ्ता बंदी सहित कुल 199 बंदी जेल में निरूद्ध पाये गये। अध्यक्ष के द्वारा जिला जेल कोरबा के सभी पुरूष बैरक एवं महिला बैरक में जाकर अभिरक्षाधीन बंदियों से जेल में भोजन की व्यवस्था साफ-सफाई अभिरक्षाधीन बंदियों के प्रकरणों में अधिवक्ता नियुक्त किया गया है कि नहीं इसकी जानकारी ली गई। अभिरक्षाधीन बंदियों के द्वारा पूछे गये सवाल के संबंध में विधिक सलाह भी दी गयी। अभिरक्षाधीन बंदियों से पूछताछ के दौरान अधिकांश बंदियों के द्वारा बताया गया कि उनके प्रकरण न्यायालय में बहुत लंबे समय से चल रहे है, कुछ गवाही शेष है जिनके उपस्थित होने पर प्रकरण का निराकरण शीघ्र हो सकता है, ऐसे प्रकरणों की सूची सहायक जेल अधीक्षक कोरबा को प्रकरण की अद्यतन स्थिति से अवगत कराये जाने हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये। अभिरक्षाधीन बंदियों की पेशी दिनांक में उपस्थिति सुनिश्चित किया जावें तथा जो बंदी पेशी दिनांक में उपस्थित नहीं हो पाते है उसे विडियों कान्फेसिंग के माध्यम से उपस्थित कराया जाने के निर्देश दिए गए। लंबे समय से बंद अभिरक्षाधीन बंदियों जो 04 वर्षो से अधिक, 02 वर्ष से अधिक समय से निरूद्ध है, उनकी जानकारी प्रेषित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए जरूरी है यातायात नियम

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मैं जागरूकता शिविर आयोजित

कोरबा(विश्व परिवार)। सडक सुरक्षा के अंतर्गत कई प्रकार के बिंदुओं पर काम किया जा रहा है और हर किसी को इस बारे में जानकारी दी जा रही है। कोरबा जिले में ट्रैफिक पुलिस ऐसे कार्यों को लगातार बढने में जुटी हुई है। इसी श्रृंखला में ट्रैफिक पुलिस ने पौड़ी उपरोडॉ स्थित सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मैं जागरूकता शिविर लगाया और विद्यार्थियों को कई अहम जानकारी दी। कोरबा जिला में सडक सुरक्षा से संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्यों को क्रियान्वित करने की जिम्मेदारी ट्रैफिक पुलिस के कंधों पर है और वह इस दिशा में काम कर रही है। दुपहिया से लेकर चार पहिया और अन्य वाहनों के चालको को सावधानियां के बारे में अवगत कराया जा रहा है। इसके साथ ही शैक्षणिक और दूसरे संस्थानों में संक्षिप्त कार्यक्रम करते हुए ट्रैफिक रूल्स की जानकारी दी जानी जा रही है। कोरबा जिले के अंतर्गत पौड़ी उपरोड़ा में संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के परिसर में ट्रैफिक पुलिस के द्वारा जागरुकता कैंपेन किया गया। यहां पर असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर मनोज राठौर और उनकी टीम ने उपस्थिति दर्ज कराई। मौके पर विद्यार्थियों को बताया गया कि ट्रैफिक रूल्स सभी लोगों के लिए जरूरी है जो सडकों पर पैदल अथवा किसी प्रकार के वहां से आना-जाना करते हैं। उन्हें इस बात को ध्यान में रखने को कहा गया कि ट्रैफिक रूल्स को फॉलो करना अपने साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है । कोशिश यही होनी चाहिए कि इस मामले में लापरवाही का प्रदर्शन न होने पाए। क्योंकि ऐसा करने से बड़े नुकसान होते हैं और फिर इसके लिए हमें बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। इस दौरान पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन की व्यवस्था भी की गई थी और इसके जरिए यह बताने का प्रयास किया गया की दुर्घटनाएं क्यों होती हैं और इसके पीछे असली कारण क्या होते हैं।

सार्वजनिक मंच का विधायक पटेल ने किया लोकार्पण

कोरबा(विश्व परिवार)। बांकी मोंगरा के कटाईनार चीफ हाउस शिव मंदिर के पास सार्वजानिक मंच का लोकार्पण कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल द्वारा किया गया। नगर पालिका परिषद सदस्य अश्वनी मिश्रा के पहल पर इस मंच का निर्माण कराया गया । मंच के निर्माण से क्षेत्र के श्रद्धांलुओं को काफी सुविधा मिलेगी। विधायक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र की आवश्यकताओं को लेकर हमारा ध्यान आकर्षित कराया गया था। इसे गंभीरता से लेने के साथ स्वीकृत किया गया। निश्चित समयसीमा में सार्वजनिक मंच बनकर तैयार हुआ है और यह लोगों की सेवा में समर्पित है। आने वाले समय धार्मिक आयोजनों मैं मदद मिलेगी इससे लोगों के बीच काफी उत्साह है । इस लोकार्पण कार्यक्रम मैं मुख्य रूप से नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शैल राठौर, अश्विनी मिश्रा, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष मिश्रा, मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष देवकी साहू, विधायक प्रतिनिधि रितेश अग्रवाल, दुर्गेश महंत, विजय बंजारे, भोला नायक, सोमू महंत सहित काफी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

दैनिक
विश्व परिवार
विचार-पक्ष
रायपुर बुधवार 18 दिसंबर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

बांग्लादेश से आ रही चुनौती बेहद गहरी....

अब चूंकि बात मुस्लिम पहचान पर आ गई है, तो स्वाभाविक नतीजा है कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के समान अधिकार की आकांक्षा पर चोट की जा रही है। इस रूप में पूरब की ओर भी फिर से पाकिस्तान की धारणा साकार हो रही है। बांग्लादेश के साथ भारत के बिगड़ते रिश्तों का दीर्घकालिक संदर्भ बनता दिख रहा है। बांग्लादेश में बड़ी संख्या में लोग अपने देश की पहचान 1971 के संदर्भ में देखने के बजाय 1947 के संदर्भ में देखने लगे हैं। और यह कोई छिपी बात नहीं है। देश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस इसे संयुक्त राष्ट्र के मंच पर कह चुके हैं। तब उन्होंने कहा था- बांग्लादेश बना, क्योंकि लोगों का उदारवाद, बहुलवाद एवं धर्मनिरपेक्षता में गहरा यकीन था। दशकों बाद अब नई पीढ़ी उन उसूलों पर पुनर्विचार कर रही है, जैसाकि 1952 में हुआ था, जब हमारे देशवासियों ने अपनी मातृभाषा बांग्ला की रक्षा का संकल्प लिया था।' यानी 1952 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के लोगों ने मजहबी आधार पर बने राष्ट्र को नकार कर भाषा एवं संस्कृति पर आधारित बहु-धर्मीय राष्ट्र को स्वीकार किया था। जबकि अब लोग 1947 की तरफ लौट रहे हैं, जब भारत का मजहबी आधार पर विभाजन हुआ। अब चूंकि बात मुस्लिम पहचान पर आ गई है, तो स्वाभाविक नतीजा है कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के समान अधिकार की आकांक्षा पर चोट की जा रही है। इस रूप में पूरब की ओर भी पाकिस्तान की धारणा साकार हो रही है। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त पर उभर कर सामने आया है, जब भारत उसे वैचारिक चुनौती देने के लिए लिहाज से सबसे कमजोर स्थिति में है। चूंकि भारत में भी अब मुख्य विमर्श हिंदू-मुसलमान पर केंद्रित है, इसलिए बांग्लादेश में हमेशा से मौजूद रहे, लेकिन अब सिर उठा कर सामने आ चुके महजबी कट्टरपंथी ताकतों को भी तर्क मिल रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को अंतरराष्ट्रीय कठघरे में कड़ा करने की रणनीति पर राष्ट्रीय आम सहमति बनाने के बजाय भारत में सियासी पार्टियां इस पर राजनीतिक लाभ उठाने के अभियान में जुटी हुई हैं। मगर इससे बांग्लादेश के हिंदुओं का भला होने के बजाय और नुकसान हो रहा है। हमारी पार्टियां यह समझने में विफल हैं कि बांग्लादेश से आ रही चुनौती बेहद गहरी है।

भारत के खिलाफ बड़ी साजिश की जा रही

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

यह औपनिवेशिक संस्कारों से अभी तक भी मुक्त न होने के कारण ही है। जार्ज इस मानसिकता को तो पहचानने ही लगे हैं। इसलिए वह गाहे बगाहे भारत के व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्राय: आरोप लगाते रहते हैं। अप्रत्यक्ष रूप से वह विपक्ष को समय कुसमय आरोप रूपी हथियार मुहैया करवाने का काम करते हैं, जिसकी विपक्ष प्रतीक्षा ही नहीं करता, बल्कि शायद आरोप मैनुफैक्चरिंग का आर्डर भी देता है। भाजपा का सोनिया गांधी व राज परिवार के अन्य सदस्यों पर यही आरोप है कि वे इन हथियारों के केवल खरीददार ही नहीं, बल्कि आदेश देकर भी इन हथियारों को तैयार करवाने वाले हैं। मैं यह मानने को तैयार नहीं कि कांग्रेस या कांग्रेस पर गेंडुली मार कर बैठे राज परिवार को जार्ज सोरोस के क्रियाकलापों एवं अन्य धंधों के बारे में पता न हो। सब जानते हैं कि पिछले कुछ सालों से वे उस हर बिल का विरोध करते हैं जो भारत की संसद पास करती है पिछले दो दिनों से संसद में जार्ज सोरोस और सोनिया गांधी व राहुल गांधी की निकटता को लेकर हंगामा होता रहा। मूल रूप से जार्ज सोरोस हंगरी के हैं। लेकिन लंबा अरसा पहले वह अमरीका में आकर बस गए थे। लेकिन यह कोई ऐसी घटना नहीं है जिसके कारण सोरोस को कठघरे में खड़ा कर दिया जाए। इस लिहाज से तो अमरीका के 99 फीसदी लोग यूरोप से ही गए हुए हैं और वहां के नेटिव इंडियन को गुलाम बना कर वहां अपनी सत्ता बना कर बैठे हैं। इसलिए जार्ज सोरोस अमरीका में कोई अनोखे यूरोपीय नहीं हैं। लेकिन उनका अनोखापन इसके बाद शुरू होता है। उन्होंने अमरीका में अच्छा खासा पैसा कमा लिया है। यूरोप के लोग जब अमरीका में धन कुबेर बन जाते हैं तो वे कोई न कोई फाऊंडेशन चलाना शुरू कर देते हैं। यह उनका फालतू के समय का शौक है। फाऊंडेशन के नाम पर वे एशिया और अफ्रीका के मेधावी छात्रों को अमरीका में बुला कर कायदे से पढ़ाते-लिखाते हैं और फिर वापस एशिया और अफ्रीका के देशों में भेज देते हैं। 'कायदे से' का अर्थ तो सब समझते हैं। इसके अतिरिक्त ये फाऊंडेशन दूसरे देशों में बौद्धिक व राजनीतिक तोडफ़ोड़ अकादमिक तरीकों से करते रहते हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं मानना चाहिए

कि जार्ज सोरोस जैसे धन कुबेरों का यह शौक है। वे ये सभी धंधे अमरीका के आर्थिक, सांस्कृतिक हितों की सुरक्षा के लिए करते हैं। इसको सभ्यताओं के संघर्ष की पृष्ठभूमि में भी देखा जा सकता है। भारत या एशिया के दूसरे देश यदि आर्थिक लिहाज से ताकतवर बनते हैं तो अमरीका व उसकी 'फाईव आईज' की आर्थिकता खतरे में पड़ जाती है। इस पूरी पृष्ठभूमि में अमरीका के जार्ज सोरोस को पकडना होगा। इस अमरीकी जार्ज का भी 'जार्ज सोरोस फाऊंडेशन' है। लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं होता है। अमरीका के ऐसे फाऊंडेशन अनेक छोटी-बड़ी संस्थाओं को जन्म देते हैं जिनका वित्त पोषण फाऊंडेशन ही करते हैं। लेकिन साधारणतया किसी को यह पता नहीं चलता कि इन संस्थाओं का वित्त पोषण कौन करता है। ऊपरी तौर पर ये संस्थाएं निर्दोष, बौद्धिक व अकादमिक संस्थाएं ही नजर आती हैं। जार्ज सोरोस फाऊंडेशन ने भी इस प्रकार की कुछ संस्थाओं को अंधेरे में जन्म दिया हुआ है। ऐसी ही एक संस्था फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक है। इस संस्था को पैसा जार्ज सोरोस ही देता है, चाहे सीधे हाथ से, चाहे उलटे हाथ से। यह संस्था जम्मू कश्मीर को भारत का हिस्सा नहीं मानती और दूसरे देश भी ऐसा ही करें, इसके लिए अकादमिक पर्दे में कोशिश करती रहती है। इतना ही नहीं, वह भारत का समाधान उसके टुकड़ों में बंट जाने को ही मानती है। भाजपा का आरोप है कि श्रीमती सोनिया गांधी के राजीव गांधी फाऊंडेशन का जार्ज सोरोस की इस संस्था से गहरा संबंध है। जार्ज सोरोस इस बात को छुपाते नहीं कि वह वचनों से ही भारत विरोधी नहीं हैं, बल्कि वह सक्रियता में भी भारत विरोधी हैं। ऐसे व्यक्ति और ऐसी संस्था से राजीव गांधी फाऊंडेशन का किस प्रकार का संबंध है, इसका खुलासा होना बहुत जरूरी है क्योंकि यह मामला भारत की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर भी इस बात को नहीं छुपाते कि जार्ज सोरोस उनके मित्र हैं। ध्यान रहे कि कांग्रेस के ही एक बड़े नेता नटवर सिंह पहले ही कांग्रेस को आगाह कर चुके हैं कि पार्टी को अपने भीतर की तलाशी लेकर अपने घर में रह रही विदेशी शक्तियों के समर्थकों को बाहर करना चाहिए। लेकिन जब आरोप सोनिया गांधी पर हों तो तलाशी कौन लेगा और कौन किसको बाहर करेगा? जार्ज अमरीका के मीडिया पर भी कुछ सीमा तक नियंत्रण करते हैं, क्योंकि अखबार चला रही कम्पनियों में उनकी भारी हिस्सेदारी है। जार्ज सोरोस ने आर्गेनाइज्ड क्राइम एंड क्रप्शन रिपोर्टिंग प्रोजैक्ट नाम से एक संस्था खोल रखी है जो दूसरे देशों के नेताओं और व्यवसायियों को ब्लैकमेल करने का काम करती है। वह दूसरे देशों के उन नेताओं व व्यवसायियों पर कुछ आरोप लगाती है जिनको वह अपने हिसाब से चलाना चाहती है। जार्ज सोरोस जानते हैं कि लंबे अरसे तक यूरोपीय देशों के गुलाम रहने के कारण एशिया व अफ्रीका का जनसाधारण किसी भी यूरोपीय देश या अमरीका के किसी भी अदने से व्यक्ति के आरोप को भी सिर आंखों पर लेता है। यह औपनिवेशिक संस्कारों से अभी तक भी मुक्त न होने के कारण ही है। जार्ज इस मानसिकता को तो पहचानने ही लगे हैं। इसलिए वह गाहे बगाहे भारत के व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्राय: आरोप लगाते रहते हैं। अप्रत्यक्ष रूप से वह विपक्ष को समय कुसमय आरोप रूपी हथियार मुहैया करवाने का काम करते हैं, जिसकी विपक्ष प्रतीक्षा ही नहीं करता, बल्कि शायद आरोप मैनुफैक्चरिंग का आर्डर भी देता है। भाजपा का सोनिया गांधी व राज परिवार के अन्य सदस्यों पर यही आरोप है कि वे इन हथियारों के केवल खरीददार ही नहीं, बल्कि आदेश देकर भी इन हथियारों को तैयार करवाने वाले हैं। मैं यह मानने को तैयार नहीं कि कांग्रेस या कांग्रेस पर गेंडुली मार कर बैठे राज परिवार को जार्ज सोरोस के क्रियाकलापों एवं अन्य धंधों के बारे में पता न हो। सब जानते हैं कि पिछले कुछ सालों से वे उस हर बिल का विरोध करते हैं जो भारत की संसद पास करती है। अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने का उसने विरोध किया था। नागरिकता संशोधन अधिनियम का भी जार्ज विरोध करता था। इसके बावजूद अपने-अपने फाऊंडेशनों के माध्यम से दोनों चोर-सिपाही का खेल, खेल रहे हैं, जो कभी भविष्य में काफी खतरनाक हो सकता है। लेकिन सत्ता पाने की हड़बड़ी में राज परिवार ऐसा घिनौना खेल भी खेलेगा, यह किसी को आशा नहीं थी। सबसे बड़ी बात यह थी कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने संसद में ही जार्ज सोरोस का पक्ष लेना शुरू कर दिया। इस सबसे इतना तो संकेत मिलता ही है कि कांग्रेस जार्ज को लेकर जरूर कुछ न कुछ छुपा रही है। देश को चिंता भी इसी बात को लेकर है। जब भारत के सैनिक सीमा पर लड़ रहे थे तो राजीव गांधी दिल्ली स्थित चीन के दूतावास में वहां के अधिकारियों के साथ गंभीर मंत्रणा करते पकड़े गए थे। यह संदिग्ध परंपरा की ओर भी संकेत करता है। सरकार को कांग्रेस की इस प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों की गंभीरतापूर्वक जांच करवा लेनी चाहिए।

आलेख

अडानी मुद्दे पर कुछ दिखावे के लिए राहुल व कांग्रेस के साथ जुड़े........

हरिशंकर व्यास

यह संयोग है या प्रयोग कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी ने संसद के शीतकालीन सत्र में कांग्रेस के कन्नी काटी और अडानी मुद्दे पर संसद ठप्प करने में शामिल होने से इनकार किया। उसके बाद ममता बनर्जी के विपक्षी गठबंधन का नेता बनने की चर्चा शुरू हो गई? यह सही है कि ममता बनर्जी ने खुद ही चर्चा शुरू कराई। उन्होंने कहा कि, इंडिया' ब्लॉक का गठन उन्होंने किया है और इसलिए मौका मिले तो उसका नेतृत्व करना चाहेंगी। हालांकि हकीकत यह है कि विपक्ष का गठबंधन बनाने का ममता का, के चंद्रशेखर राव का और अरविंद केजरीवाल का प्रयास विफल था। अभी जो विपक्षी गठबंधन है वह नीतीश कुमार का बनाया है, जिसमें ममता बनर्जी भी थीं और बाद में नीतीश व ममता दोनों बाहर हो गए। परंतु पहले ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि वह अडानी के मसले पर संसद ठप्प करने के पक्ष में नहीं है और उसके सांसदों ने कांग्रेस व दूसरी विपक्षी पार्टियों के प्रदर्शन में शामिल होना बंद किया। उसके बाद ममता ने इंडिया' ब्लॉक का नेता बनने की इच्छा जाहिर की और फिर एक एक करके तमाम विपक्षी पार्टियां उनका समर्थन करने लगीं। उद्धव ठाकरे की शिव सेना के नेता संजय राउत ने भी उनका समर्थन किया तो शरद पवार ने भी उनका साथ दिया। कांग्रेस के ऑल वेदर फ्रेंड माने जाने वाले लालू यादव ने तो यहां तक कहा कि ममता बनर्जी को नेता बना देना चाहिए और कांग्रेस अगर विरोध करती है तो उस पर ध्यान देने की जरुरत नहीं है। इनमें से उद्धव ठाकरे एकमात्र नेता हैं, जिन्होंने खुल कर अडानी का विरोध किया था लेकिन ऐसा लग रहा है कि उनका विरोध महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव तक सीमित था और वह भी अडानी के एक धारावी प्रोजेक्ट को लेकर था। सिद्धांत रूप से वे अडानी, अंबानी विरोधी नहीं माने जाते हैं। आखिर अंबानी के यहां शादी में बाराती बन कर जितने नेता शामिल हुए थे उनमें राहुल या नेहरू गांधी परिवार के अलावा बाकी सारे विपक्षी नेता शामिल ही थे। ममता भी थीं और लालू प्रसाद का पूरा परिवार भी था और अखिलेश यादव भी सपरिवार पहुंचे थे। लेफ्ट के नेता जरूर नहीं गए थे लेकिन संभवत- उनको बुलाया भी नहीं गया हो। लेकिन सोनिया गांधी के परिवार को न्योता देने तो मुकेश अंबानी खुद पहुंचे थे। सो, पहले ममता बनर्जी की पार्टी ने अडानी के नाम पर संसद ठप्प करने इनकार किया और उसके बाद अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने भी यही लाइन पकड़ी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की सांसद पत्नी डिंपल यादव ने कहा कि अडानी मामले से सपा का कोई लेना देना नहीं है। सवाल है कि कांग्रेस का भी क्या लेना देना है? फिर भी कांग्रेस ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया है क्योंकि एक के बाद एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया समूह, पत्रकारों का संगठन और विदेशी सरकारें या उनकी एजेंसियां अडानी समूह को कठघरे में खड़ा कर रही हैं। अडानी दुनिया में क्रोनी कैपिटलिज्म के प्रतीक बने हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके संबंधों को उछालने से बड़ा राजनीतिक नैरेटिव बनता है। इसलिए कांग्रेस और राहुल गांधी यह मुद्दा उठा रहे हैं। लेकिन बाकी विपक्षी पार्टियां या तो इससे अलग हो रही हैं या दिखावे के लिए कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन में शामिल हो रही हैं। ममता बनर्जी और अखिलेश यादव की पार्टी विपक्ष के विरोध प्रदर्शन से अलग हो गई लेकिन लालू प्रसाद और शरद पवार की पार्टी विरोध प्रदर्शन में शामिल है। एक और सत्य कि शरद पवार का तो अडानी विरोध कभी रहा ही नहीं है। फिर उनकी पार्टी के अडानी के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल होने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि वह सिर्फ दिखावा है। आखिर चाचा भतीजे यानी शरद पवार और अजित पवार ने स्वीकार किया है कि 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद सरकार गठन में गतिरोध पैदा हुआ था तो ये सभी लोग अडानी के साथ बैठे थे सरकार बनाने के लिए। अजित पवार ने कहा था कि अडानी के घर पर गौतम अडानी की मौजूदगी में भाजपा और एनसीपी के नेताओं की बैठक हुई थी। खबर थी कि बैठक में अमित शाह भी थे और शरद पवार भी थे। बाद में शरद पवार ने सफाई दी तो इतना कहा कि बैठक गौतम अडानी की पहल पर हुई थी और दिल्ली में उनके घर पर हुई थी लेकिन उसमें अडानी खुद मौजूद नहीं थे।

आईटी और डिजिटल नवाचार में आगे बढ़ता मध्यप्रदेश

सोनिया परिहार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में, आईटी और डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में मध्यप्रदेश हर दिन नए आयाम स्थापित कर रहा है। आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करते हुए, प्रदेश ने अपने शासकीय विभागों और नागरिकों के लिए तकनीकी प्रगति और डिजिटल सुविधाओं का ऐसा सिस्टम विकसित किया है, जो पूरे देश के लिए एक मिसाल बन गया है। राज्य डिजिटल भारत के सपने को साकार करते हुये डिजिटल क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। इसमें मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रोनिक विकास निगम (एमपीएसईडीसी) और मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी) अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

म.प्र. में विकसित सॉफ्टवेयर ने देश में बनाई पहचान-मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) की अगुवाई में प्रदेश ने डिजिटल प्रौद्योगिकी में कई उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। संपदा 2.0 और साइबर तहसील जैसे प्लेटफॉर्म नागरिक सेवाओं को सरल बना रहे हैं और राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की पहचान को भी मजबूत कर रहे हैं। संपदा 2.0 ने संपत्ति पंजीकरण की प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर ई-पंजीकरण, ई-स्टाम्प, स्टाम्प शुल्क की गणना और दस्तावेज़ खोज जैसे कार्यों को घर बैठे संभव बनाया गया है। साइबर तहसील ने राजस्व न्यायालयों की प्रक्रियाओं को पारदर्शी और सुव्यवस्थित करते हुए भ्रष्टाचार को कम करने और जनता को त्वरित सेवाएं प्रदान करने का सफल प्रयास किया गया है।

निवेश और स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहन-सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), सूचना प्रौद्योगिकी-सक्षम सेवाएँ (आईटीईएस), इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) और डेटा केंद्रों की परिवर्तनकारी क्षमता को स्वीकार करते हुए, राज्य में दूरदर्शी आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश प्रोत्साहन नीति 2023 बनाई गई है। राज्य के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए यह नीति डिज़ाइन की गई है। जबलपुर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस पॉलिसी के दिशा निर्देश लॉन्च किए थे। नीति में निवेशकों को वित्तीय और गैरवित्तीय सहायता प्रदान करने के प्रावधान किए गए है। सभी वित्तीय सहायता, आवश्यक अनुमतियाँ, अनुमोदनों, आवेदनों और किसी भी अन्य संबंधित प्रक्रियाओं के लिए पूर्ण रूप से डिजिटल सिंगल विंडो सिस्टम भी बनाया गया है। राज्य के युवाओं को स्वरोजगार के लिये प्रोत्साहित करने और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट-अप नीति-2022 लागू है। राज्य में एवीजीसी नीति-2024 भी लागू की जा रही है, जिससे एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) क्षेत्र में नई संभावनाओं का द्वार खुला है। राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा आदि को ध्यान में रखते हुए ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (त्र्रष्टष्ट) नीति 2024 भी तैयार की गई है। विकसित डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर-वर्तमान में प्रदेश में 2 हजार से अधिक आईटी/आईटीईएस एवं ईएसडीएम इकाइयां कार्यरत हैं, जिनमें एमपीएसईडीसी में पंजीकृत 650 इकाइयां हैं, जिन्हें राज्य की नीतियों का लाभ मिला है। इन इकाइयों का टर्न ओवर 10 हजार करोड़ रुपए प्रतिवर्ष से अधिक है। देश की 50 से अधिक बड़ी आईटी एवं आईटीईएस इकाइयां मध्यप्रदेश में स्थापित हैं। प्रदेश से हर वर्ष 500 मिलियन डॉलर का निर्यात आईटी से जुड़ी कंपनियों के माध्यम से होता है। राज्य में 5 आईटी स्पेशल इकोनॉमिक जोन हैं। राज्य सरकार द्वारा 15 आईटी पार्क बनाए गए हैं, जिनसे डेढ़ लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। राज्य में 1200 से अधिक तकनीकी स्टार्ट-अप स्थापित हैं, जिनमें से दो नीव क्लाउड और शॉप किराना यूनिकॉर्न कंपनी हैं।

आईटी/आईटीएस/ईएसडीएम और डेटा सेंटर क्षेत्र में बढ़ता निवेश-राज्य में निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव और इंटरैक्टिव सेशन में आईटी/आईटीएस/ईएसडीएम और डेटा सेंटर क्षेत्र में निवेशकों ने विशेष उत्साह दिखाया। इस क्षेत्र में निवेश से रोजगार से नए अवसर सृजित होंगे। सागर में 1700 करोड़ से अधिक निवेश से डेटा स्थापित किया जा रहा है। बेंगलुरु में आयोजित इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट के दौरान, एमपीएसईडीसी ने भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर संघ,, इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ इंडिया, एसोसिएशन ऑफ जिओस्पेशल इंडस्ट्रीज और टाई ग्लोबल जैसे प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्योग संघों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। जबलपुर, नर्मदापुरम, मुंबई, कोयंबटूर, बेंगलुरु में कई बड़ी कंपनियों से करोड़ों के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यूके-जर्मनी से एसआरएएम-एमआरएएम ग्रुप द्वारा 25000 करोड़ रूपये निवेश से सेमी कंडक्टर और साइंस टेक्नोलॉजी पार्क विकसित करने का प्रस्ताव प्राप्त हुआ।

जीआईएस तकनीक का बढ़ता उपयोग-राज्य में जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) तकनीक का भी व्यापक उपयोग हो रहा है। 5त्र के लिए योजना, अनुमोदन और जीआईएस आधारित सेवाएं प्रदान करने के लिए गति-शक्ति संचार पोर्टल विकसित किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की आपूर्ति के लिए सर्वेक्षण, निगरानी और कार्यान्वयन के लिए 卐जल रेखा卐 जैसे पोर्टल कार्य कर रहे है। जीआईएस द्वारा तैयार किये गये लोकपथ मोबाइल ऐप और वेब एप्लिकेशन से पूरे राज्य में सड़कों से संबंधित शिकायतों को दर्ज करने एवं उनके निराकरण को मॉनिटर करने की सुविधा दी जा रही है।

0-शोध और शिक्षा के क्षेत्र में नया अध्याय-मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी) के अंतर्गत राज्य में विज्ञान और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। उज्जैन तारामंडल में 3डी-4य प्रोजेक्शन सिस्टम का अपग्रेडेशन और वराह मिहिर खगोलीय वेधशाला डोंगला का ऑटोमेशन इस दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं।

राहुल को मंझली कतार के सगतिया चाहिएं

पंकज शर्मा

जैसे कि आप जानते हैं, वैसे ही मैं भी जानता हूं कि राहुल एकला चलो' के शीरे की कड़ाही से जन्मे हैं और कोई साथ आए-न-आए, अपने गंतव्य तक अनवरत अकेले चलते रहने का माद्दा रखते हैं। इस कर्म-भाव की झौंक में यह परवाह भी वे शायद ही करते हैं कि मंज़िल तक पहुंचेंगे या नहीं? उन्हें तो बस चलते रहना है। सो, वे तो चलते रहेंगे ज्.पर राहुल को मंझली कतार के सगतिया चाहिएं। इसलिए उन्हे अपने लिए एक कारगर मध्यम-पंक्ति की संरचना करनी है। लोकसभा में प्रियंका गांधी के भाषण को भले ही आप अद्भुत और ऐतिहासिक की श्रेणी में न रखें, मगर इतना तो आप भी मानेंगे कि उन की संप्रेषण कुशलता ने कांग्रेसजन में एक नया उछाह पैदा किया है। उन की स्त्रियोचित सौम्य-आक्रामकता ने सदन में बैठे अमित भाई शाह और राजनाथ सिंह समेत समूचे सत्तापक्ष की शिराओं में थोड़ी कंपकंपी पैदा की है और देश को प्रतिपक्ष, और ख़ासकर कांग्रेस, की प्रभावी भूमिका के लिए आश्वस्त किया है। जब प्रियंका बोल रही थीं, तब राहुल गांधी भी सदन में मौजूद थे, संजीदगी से उन की कही बातें सुन रहे थे, गंभीरता से उन के कहे को गुन रहे थे और लगता था कि मन-ही-मन कांग्रेस की आगामी प्रस्तावना के धागे बुन रहे थे। ये धागे फ़िलवक्त साढ़े चार बरस लंबे तो फैले हुए हैं ही। केंद्र की सत्ता के लिए राहुल-प्रियंका को अभी न्यूनतम साढ़े चार बरस तो राजनीतिक संघर्ष करना ही होगा। कोई बड़ी बात नहीं कि उन का यह रास्ता साढ़े नौ साल लंबा खिंच जाए। सो, सवाल यह है कि क्या राहुल-प्रियंका तो जूझ लेंगे, मगर क्या उन के पास साढ़े चार या साढ़े नौ बरस तक युद्धरत रह सकने वाली मध्यम-पंक्ति है? क्या ऐसे जुझारू, अविचल और प्रतिबद्ध हमजोली हर राज्य में उन की बगल में खड़े दिखाई दे रहे हैं, जो सियासत के लगातार पथरीले होते जाने वाले भावी मैदान में 54 या 114 महीने उन के साथ खड़े रहें? और, जब मैं यह सवाल उठा रहा हूं तो मेरा सवाल इंडिया-समूह के कथित साथियों के बारे में नहीं है। इंडिया-समूह तो समझ लीजिए कि तिरोहित हो चुका है। उस की आस लगाए बैठना अब राहुल की भूल होगी। मैं तो यह पूछ रहा हूं कि कांग्रेस के भीतर भी ऐसे लोग अब कितने रह गए हैं, जिन के भरोसे राहुल आगे की दुर्जेय राह पर चलते चले जाएंगे? जैसे कि आप जानते हैं, वैसे ही मैं भी जानता हूं कि राहुल एकला चलो' के शीरे की कड़ाही से जन्मे हैं और कोई साथ आए-न-आए, अपने

गंतव्य तक अनवरत अकेले चलते रहने का माद्दा रखते हैं।इस कर्म-भाव की झौंक में यह परवाह भी वे शायद ही करते हैं कि मंज़िल तक पहुंचेंगे या नहीं? उन्हें तो बस चलते रहना है। सो, वे तो चलते रहेंगे। प्रियंका भी अब इस यात्रा में उन की अटल परछाईं होंगी। लेकिन आखिर् एक राजनीतिक यात्रा इस तरह अकेले तो पूरी होती नहीं। राजनीतिक ही क्यों, कोई भी यात्रा कब किस की अकेले पूरी हुई है? प्रभु राम की यात्रा क्या अकेले संपन्न हो पाई? श्रीकृष्ण का सफर् क्या एकाकी था? लक्ष्य तन्हा हासिल नहीं होते। वे तब प्रस्थापित होते हैं, जब हर स्तर पर सेनानियों की टोलियां संग-संग चलती हैं। इसलिए मुझे लगता है कि राहुल भले ही एकल-तपस्या के महारथी हों और अब प्रियंका के संसद में औपचारिक प्रवेश से उन की ताक़त चौगुनी हो गई हो, मगर साढ़े चार साल बाद की रणभेरी के लिए इतना ही काफी नहीं है। राहुल को मंझली कतार के सगतिया चाहिएं और ईमानदारी की बात यह है कि कांग्रेस में न तो अभी वे दूर-दूर तक कहीं दिखाई दे रहे हैं और न उन्हें खोजने-बीनने का कोई उपक्रम कहीं नजर् आ रहा है। एक छोटा-सा अर्थवान समूह भी इस वक़्त राहुल के आसपास मौजूद है और एक विशाल मतलबपरस्त टोली भी उन से चिपटी हुई है। नेकनीयत समूह के ज़्यादातर चेहरे वृद्धावस्था के उस चरण में पहुंच चुके हैं, जहां से वानप्रस्थ की राह आरंभ होती है। जो उम्र के लिहाज़ से अभी दस-पंद्रह बरस राहुल की शेरपाई कर सकते हैं, उन की बदनसीबी यह है कि उन का तीन चौथाई समय ख़ुदगर्ज़ चौकड़ी के जालबट्टों की उलझनों से निपटने में बीत रहा है। यहां मैं उन बदनसीबों की बात नहीं कर रहा हूं, जो शामियाने के बाहर खड़े-खड़े कसमसा रहे हैं। मैं उन की बात कर रहा हूं, जो बैठे तो राहुल के दस्तरख़्वान पर हैं, मगर फिर भी हर रोज़ किनारे ठेले जाते हैं। कांग्रेस की कार्यसमिति में सत्तासीन जमात के बुद्धि-जीवियों और प्रतिपक्षी श्रम-जीवियों के बीच की यह टप्पेबाज़ी देखने-समझने के लिए किसी दिव्य-ख़ुर्दबीन की ज़रूरत नहीं है। जो अपनी अक्ल चला कर जीवित हैं, वे मेहनत पर ज़िंदा लोगों को कहां जीने देते हैं? कांग्रेस में यह किस्सा कोई नया नहीं है। मगर नई बात यह है कि जब से नरेंद्र भाई मोदी रायसीना पर्वत पर काबिज़ हुए हैं, तब से कांग्रेस के भीतर खोखले किरदारों की जरा ज़्यादा ही बहार आ गई है। उन में से बहुत-से तो ऐसी सदाबहार-स्थिति को प्राप्त कर चुके हैं कि अगर खुद राहुल-प्रियंका भी चाहें तो अब उन का बाल बांका नहीं कर सकते हैं। राहुल-प्रियंका से आयुष्मान भव-' का आशीर्वाद पाने के बाद भस्मासुरी-रंगत में आ गए ये तत्व अब भाई-बहन पर ही भारी पडने़ लगे हैं।

संक्षिप्त समाचार

31 दिसम्बर तक निर्माणाधीन पीएम आवास को पूरा करें : आयुक्त

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास योजना को देखने के लिए पुन: आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय दौरा किए। पूर्व में दिए गये निर्देशो के अनुसार कार्य के प्रगति की समीक्षा किए। मकान बनाने वाली एजेंसी को निर्देशित किए है कि 31 दिसम्बर तक जिन ब्लॉको की लाटरी हो चुकी है, उसके हितग्राही 50 प्रतिशत तक राशि जमा कर चुके है। उन मकानो के ब्लाक को समय अवधि में पूर्ण करें। जिससे हितग्राहियो को समय अवधि के अंदर मकान में शिफ्ट किया जा सके। अभी वर्तमान में 210 मकान एन.आर. स्टेट, 1120 मकान सूर्या विहार के पीछे चंद्रनिर्माण एजेंसी, 322 मकान कृष्णा इंजीनियरिंग के पीछे विनोद जैन एजेंसी के माध्यम से कार्य कराया जा रहा है। आज निरीक्षण के दौरान नगर निगम के संबंधित अभियंता एवं एजेंसी के अधिकारियो को भी बुलाया गया था। उनके द्वारा किए जा रहे कार्यो के प्रगति को देखकर आयुक्त ने कड़ा निर्देश दिए। यह भी कहा कि प्रथम कार्य मकान तक पहुंच मार्ग को पहले पूर्ण करें, जिससे हितग्राही आकर अपने मकानो का निरीक्षण कर सकें। जो भी पूर्व में खिड़की, दरवाजे, नल, पाईप, वांस बेसिंग इत्यादि लगाए गए है, सब व्यवस्थित होने चाहिए। किसी प्रकार की कमी पाए जाने पर संबंधित एजेंसी जिम्मेदार होगी, उसके खिलाफ कार्यवाही की जावेगी। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता विनिता वर्मा, अभियंता नितेश मेश्राम, दीपक देवांगन, सहित संबंधित एजेंसी के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोटा स्टेशन में गाड़ियों का भारी दबाव को कम करने मार्ग परिवर्तित कर गुड़ला-सोगरिया कॉर्डलिंग के रास्ते से रवाना की जाएगी

रायपुर (विश्व परिवार)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा रेल मण्डल के अंतर्गत कोटा स्टेशन में गाड़ियो का भारी दबाव को कम करने के लिए अब कुछ ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित कर गुड़ला-सोगरिया कॉर्डलिंग के रास्ते से रवाना की जाएगी। कोटा रेलवे स्टेशन के स्थान पर अब सोगरिया में ठहराव उपलब्ध रहेगा अर्थात कटनी से जाने पर कोटा से तीन किलोमीटर पहले सोगरिया स्टेशन पड़ता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से कटनी, गुना होकर पहुचने वाली सभी गाड़ियो को सोगरिया-गुड़ला जंक्शन होकर रवाना की जायेगी। दिनांक 02 जनवरी, 2025 से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली चार जोड़ी गाड़ियो को कोटा के स्थान पर यह गाड़ियो सोगरिया रेलवे स्टेशन होकर चलेगी। जिसकी समय सारणी इस प्रकार है-

गाड़ी का नाम	वर्तमान समय		परिवर्तित समय		लागू होने की तिथि
	कोटा	सोगरिया	कोटा	सोगरिया	
18208 अजमेर-दुर्ग साप्ताहिक एक्सप्रेस	01.15/01.40	-----	-----	01.15/01.25	07.01.25
18214 अजमेर-दुर्ग साप्ताहिक एक्सप्रेस	01.15/01.40	-----	-----	01.15/01.25	06.01.25
18574 भगत की कोठी -विशाखापटनम साप्ताहिक एक्सप्रेस	05.25/05.50	-----	----	05.20/05.30	04.01.25
20971 उदयपुर-शालीमार साप्ताहिक एक्सप्रेस	05.40/06.05	----	----	05.45/05.55	04.01.25
18573 विशाखापटनम- भगत की कोठी साप्ताहिक एक्सप्रेस	09.15/09.40	----	-----	09.00/09.10	02.01.25
18207 दुर्ग-अजमेर साप्ताहिक एक्सप्रेस	10.35/11.00	-----	-----	10.25/10.35	06.01.25
18213अजमेर-दुर्ग साप्ताहिक एक्सप्रेस	10.35/11.00	----	----	10.25/10.35	05.01.25
20972शालीमर-उदयपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस	00.15/00.35	----	----	23.25/23.35	05.01.25

वाणिज्य उद्योग मंत्री 18 दिसम्बर को कोरबा में गुरुघासीदास जयंती समारोह में होंगे शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के वाणिज्य उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन 18 दिसम्बर को जिला मुख्यालय कोरबा में आयोजित गुरूघासीदास जयंती समारोह में शामिल होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार उनका दौरा कार्यक्रम इस प्रकार है। प्रात: 11.05 बजे पुलिस लाईन हेलीपेड रायपुर से मुख्यमंत्री के साथ कोरबा के लिए प्रस्थान कर 11.45 बजे इंदिरा स्टेडियम ट्रांसपोर्ट नगर पहुंचेंगे। जहां वे 11.50 से 12.55 बजे तक सतनाम भवन में आयोजित बाबा गुरुघासीदास जयंती समारोह में शामिल होंगे।

धन्य है वह परिवार जिसमें जनक-जननी के साथ पुत्र भी श्रमण संस्कृति को समर्पित होकर श्रमण परम्परा को जयवंत कर रहे हैं

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी के गृहस्थ जीवन के जनक-जननी भी वैरागी : श्रमण मुनि श्री सर्वार्थ सागर जी महाराज

इचलकरंजी/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। जयदु जिणिंदो महावीरों। चर्या शिरोमणी आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के शिष्य श्रमण मुनी श्री अनुत्तर सागर जी महाराज, श्रमण मुनी श्री प्रणेय सागर जी, श्रमण मुनी श्री प्रणव सागर जी, श्रमण मुनी श्री सर्वार्थ सागर जी, श्रमण मुनी श्री संकल्प सागर जी और श्रमण मुनी श्री सदभाव सागर जी महाराज जी का उपसंघ इचलकरंजी (महाराष्ट्र) में विराजमान हैं। विचित्र बाते प्रणेता श्रमण मुनि श्री सर्वार्थ सागर जी ने कहा कि, सिर्फ सुनें नहीं, अमल करें और अपने जीवन में उतारें। मुनि सर्वार्थ सागर जी महाराज कहते है कि सिर्फ जिनवाणी सुनने से कल्याण नहीं होगा। जिनवाणी सुनकर उसे अपने जीवन में उतारना होगा।

मुनिश्री ने कहा कि जो भी कार्य करोगे, उसमें दो कारण होते हैं पहला अंतरंग और दूसरा बहिरंग। अंतरंग मूल कारण होता है और बहिरंग सहकारी कारण होता है। आचार्य भगवंत सहकारी कारण है और हम मूल कारण है। यदि हमारे अंदर योग्यता नहीं है तो आचार्य भगवंत कितना भी हमें पढ़ाएं और समझाएं व्यर्थ होगा। आचार्य भगवंत साइन बोर्ड की तरह है। जो इंगित करते हैं, चलना हमारे को है।

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के जीवन में घटित कुछ प्रेरक प्रसंग- जनक-जननी के साथ पुत्र भी वैरागी- आचार्य श्री विशुद्धसागर जी के गृहस्थ जीवन के जनक श्री रामनारायण जी, उन्होंने जब देखा कि पुत्र ही जब मुनि बन गया तो मैं क्यों इस गृहस्थ जीवन में रहूँ ? उन्होंने भी आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज से मुनि दिक्षा धारण कर अपने जीवन को धन्य किया। ऐसे मुनिश्री विश्वजीतसागर जी महाराज बन गए। जननी ने क्षुल्लिका व्रत ग्रहण कर क्षुल्लिका विश्वमती माताजी ने समाधी ग्रहण की।

धन्य है वह परिवार जिसमें जनक-जननी के साथ पुत्र भी श्रमणसंस्कृति को समर्पित होकर श्रमणपरम्परा को जयवंत कर रहे हैं।

सरलता ही साधुता- विचित्र बाते प्रणेता श्री सर्वार्थ सागर जी महाराज ने कहा की परम पूज्य आचार्य श्री ससंघ का वर्ष 2015 में मदनपुर पंचकल्याणक के लिए विहार हुआ। शाम की शौच चर्या को जाते समय एक लकडहारे ने पूज्य गुरुदेव विशुद्धसागर जी चर्या हेतू सही स्थान बतलाया और वह लकडी बांधने लगा। शुद्धी से लौटते समय आचार्य श्री ने देखा वह लकडी का वजनदार गट्टा बांध कर तैयार खडा था। जैसे ही उस लकडहारे ने गुरुजी को देखा, सरल भाषा में लकडी का गट्टा उठाने के लिए सहयोग मांगा। मानो वह आचार्य श्री की सरलता की परीक्षा ले रहा हो। परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी ने उस व्यक्ती को सहयोग कर किया। लकडहारे के चेहरे पे विस्मययुक्त मुस्कान की झलक मिली।

आचार्य श्री आगे बढे कुछ कदम चलकर पीछे देखा वहाँ कोई नहीं था। सही है सत्पुरशों की परीक्षा के लिए देव ने स्वाँग रचाया। सरलता ही साधुता है ऐसा आदर्श जीवन जीने वाले गुरू भगवान आचार्य भगवन श्री विशुद्धसागर जी महाराज के चरणो में नमोस्तु। नमोस्तु शासन जयवंत हो। **-अभिषेक अशोक पाटील**

वैशाली नगर में आर्यिका द्वय का मंगल प्रवेश

भिलाई (विश्व परिवार)। वैशाली नगर में आचार्य गुरुवर विभव सागर जी महाराज की आज्ञानुवर्ती आर्यिका स्वाध्याय श्री माती जी, चार्यमती श्री माता जी का मंगलवार संध्या श्री दिगंबर जैन मंदिर जी वैशाली नगर में मंगल आगमन हुआ ।। आपके आगमन पर स्थानीय महिला वर्ग ने कलश लेकर अगवानी करी पश्चात माताजी श्री जिनेंद्र देव के दर्शन कर उपस्थित धर्म सभा को मंगल वाणी का वाचन अपने मुखारविंद से किया और धर्म का धर्म के प्रति प्यार धर्म के प्रति समर्पण ही मोक्ष का कारण आपने बताया । कार्यक्रम का संचालन महामंत्री अरविंद जैन जी ने किया स्थानीय सकल जैन समाज ने श्रीफल चढ़ाकर माताजी से शीतकालीन वाचना करने का निवेदन किया और अनुमति मांगी पश्चात प्रतिदिन के कार्यक्रम की घोषणा की गई इस अवसर पर स्थानीय समाज के पदाधिकारी कार्यकारिणी और बड़ी संख्या में सामाजिक सदस्य उपस्थित थे। **-संजय बोहरा**

पारसोला में आर्यिका श्री ज्योतिमति जी का 16 दिसंबर को समाधिमरण विमान यात्रा डोला निकाला गया

पारसोला (विश्व परिवार)। पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर से दीक्षित शिष्या 81 वर्षीय आर्यिका श्री ज्योतिमति जी का दिनांक 16 दिसंबर 2024 को रात्रि 11.37 बजे पारसोला राजस्थान में समस्त संघ सानिध्य में समाधिमरण हो गया। जयंतीलाल कोठारी अध्यक्ष जैन समाज तथा ऋषभ पचौरी अध्यक्ष वर्षायोग समिति ने बताया कि प्रात: 8 बजे समाधिस्थ 81 वर्षीय आर्यिका श्री ज्योतिमति जी का डोला विमान यात्रा वात्सल्य वारिघि पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी संघ सानिध्य और हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में निकाली गई। आर्यिका श्री के डोले के आगे कमंडल लेकर भूमि शुद्धि का, आर्यिका श्री के डोले को कंधे लगाने का सौभाग्य परिजनों को प्राप्त हुआ। साबला रोड़ स्थित वैराग्य योग दर्शन समाधिस्थल परिसर में पंडित कीर्तिश, पंडित अशोक जी के निर्देशन में मंत्रोचार से शुद्धि की गई। आर्यिका श्री ज्योति मति की पूजन शांति धारा और पंचामृत अभिषेक गृहस्थ अवस्था के परिजन पुत्र गोपाल एवं महेंद्र तथा लड़कियां श्रीमती संजू एवं श्रीमती मंजूपरिवार द्वारा किया गया। परम पूज्य आर्यिका माताजी की समाधि के कारण संघ के सभी साधुओं ने आज उपवास किया। अग्नि संस्कार के पश्चात उपस्थित आर्यिका संघ एवं समस्त समाज ने परिक्रमा देकर अपनी विनियाजंलि प्रस्तुत की।

सामान्य परिचय वर्ष 2007 में आर्यिका दीक्षा ली। श्री गजू भैया एवम् राजेश पंचोलिया इंदौर ने बताया कि मालपुरा राजस्थान की 81 वर्षीय आर्यिका श्री ज्योतिमति ने नाम को सार्थक कर अध्यात्म की ज्योति जाग्रत कर आचार्य श्री वर्धमान सागर जी संघ समक्ष दीक्षा हेतु श्रीफल अर्पित कर 7 प्रतिमा धारी श्रीमति मनोरमा की सीधे आर्यिका दीक्षा वात्सल्य वारिघि पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के सिद्ध हस्त कर कमलों से श्री क्षेत्र श्रवण बेलगोला में 17/11/2007 को हुई।आपका नूतन नामकरण आर्यिका श्री ज्योतिमति जी किया गया।

वर्ष 2017 में 8 वर्षों की नियम संल्लेखना धारण की। भगवान बाहुबली सपने में आए। वर्ष 2018 में श्री बाहुबली भगवान के मस्तकाभिषेक देखने के लिए पहुंची आर्यिका श्री ज्योति मति जी ने आचार्य श्री भद्रबाहु स्वामी के चरण स्थल श्रवणबेलगोला पर 6 जून 2017 को 8 वर्षों की नियम संलेखना धारण की। विगत दिनों माताजी माताजी ने आचार्य श्री वर्धमान सागर जी को बताया कि मैंने सपने में भगवान बाहुबली के दर्शन कर अभिषेक देखा है। अगले दिन माता जी को बाहुबली भगवान का पंचामृत अभिषेक दिखाया गया।

संस्तरारोहण एवं यम संल्लेखना- 9 नवंबर को 2024 को आचार्य श्री के समक्ष संस्तरारोहण हेतु निवेदन किया। 6 दिसंबर 2024 को आचार्य श्री एवम् संघ के सभी साधुओं से क्षमा याचना कर चारो प्रकार के अन्न जल आदि का आजीवन त्याग कर यम संल्लेखना धारण कर सभी प्रकार के आहार का त्याग किया। प्रतिदिन तन्मयता एकाग्रता पूर्वक गुरुजनों का सम्बोधन सुनना श्री जी के अभिषेक देखती।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज का भव्य मंगल प्रवेश एवं गमन

जबलपुर (विश्व परिवार)। निरंतर चल रही अष्टापद- बद्रीनाथ अहिंसा संस्कार पदयात्रा के अहम पड़ाव में आज भारत गौरव साधना महोदधि, सिंहनिष्कड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना, आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज सहित 16 साधु ऐलक छुल्लक, माताजी एवं ब्रह्मचारी भाइयों का ससंघ आगमन पओदय तीर्थ भेड़ाघाट में दो संतों के मिलन एवं अपनी अपनी दिशा में बिहार के पश्चात श्री पिसनहारी तीर्थ में हुआ, अन्तर्मना, आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज ससंघ की आगवानी श्री पिसनहारी मढ़िया जी तीर्थ के पदाधिकारियों संजय चौधरी उपाध्यक्ष, संजय अरिहंत प्रधानमंत्री, सुबोध कामरेड, कोषाध्यक्ष दिनेश चौधरी, सहित ट्रस्टियों द्वारा की गई। तीर्थ पर पहुंचने के पश्चात, अन्तर्मना ने तुरंत ही पहाड़ी पर स्थापित पद्मप्रभु भगवान के दर्शन करने की भावना प्रकट की अत: प्रधानमंत्री संजय अरिहंत एवं विशाल जनसमूह ने पहाड़ी पर स्थित जिनालयों के दर्शन आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में किए तत्पश्चात सौम्यमूर्ति ने नीचे तलहटी में स्थित 1008 भगवान महावीर मंदिर एवं नंदीश्वर मंदिर के दर्शन किए।

भावुक हुए सौम्यमूर्ति, साधना महोदधि, उपवास सम्राट आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी क्षेत्र के उपाध्यक्ष चौधरी संजय जैन ने बतलाया कि आज दर्शन उपरांत संध्या गुरुभक्ति के पावन अवसर पर उपवास सम्राट प्रसन्न सागर जी, आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी के चित्र को देख भावुक हो गए, उन्होंने श्री पिसनहारी मढ़िया तीर्थ को आचार्य श्री की तपोभूमि निरूपित करते हुए कहा कि यहां का कण गुरुवर श्री 108 ने आचार्य श्री विद्या सागर जी का स्मरण करवाता हैं, आचार्य श्री के पावन दर्शन एवं संग बिताए क्षणों का जीवंत वर्णन व स्मरण कर आचार्य 108 प्रसन्न सागर जी की आँखें भीग गई उन्होंने उपस्थित जनों के समक्ष रुंधे गले से वाणी को विराम देते हुए 108 सहज सागर जी को संबोधन का दायित्व सौंप दिया। 4 बजे सुबह पूजन करवाया। यहां यह भी स्मरणीय हैं कि पिसनहारी तीर्थ स्थित 1008 भगवान महावीर मंदिर जी में अन्तर्मना, 108 प्रसन्न सागर जी महाराज द्वारा उपस्थित धार्मिक श्रध्दालुओ को सुबह 4 बजे से संगीतमय पूजन व आराधना का सौभाग्य करवाया गया।

सिंहनिष्कड़ित, उपवास व्रतकर्ता- ज्ञात हो कि भारत गौरव, साधना महोदधि, सिंहनिष्कड़ित उपवास व्रत कर्ता, अन्तर्मना, आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज द्वारा सम्मेद शिखर जी की पहाड़ी पर 557 दिनों में मात्र 61 दिन आहार प्राप्त किया, 497 दिनों तक बगैर पानी की बूंद ग्रहण किए, साधनारत रहे, आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज के लंबे लंबे चलने वाले, उपवास के लिए धार्मिक जगत में सिंहनिष्कड़ित, उपवास व्रत कर्ता की उपाधि प्राप्त हुई हैं। आपके लंबे निर्जल उपवास व्रत मेडिकल साइंस के लिए भी चमत्कार से कम नहीं हैं। **-चौधरी संजय जैन**

प्रदेश के कर्मचारियों का आंदोलन जारी, कामकाज हो रहा प्रभावित

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के 184 नगरीय निकायों के नियमित, प्लेसमेंट और स्वच्छता दीदी कर्मचारी 'अधिकारि कर्मचारी एकता संघ' के बैनर तले नया रायपुर स्थित धरना स्थल पर अपनी वाजिब मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं। यह प्रदर्शन केवल कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा नहीं, बल्कि शहरी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित रखने के लिए एक महत्वपूर्ण अपील है। निकाय कर्मचारी शहर के विकास और सफाई व्यवस्था की रीढ़ हैं, और उनकी समस्याओं की अनदेखी पूरे तंत्र को प्रभावित करती है। रायपुर नगर निगम के समस्त अधिकारी और कर्मचारी रैली निकालकर अपने एकजुट समर्थन का प्रदर्शन कर रहे हैं। हड़ताल के कारण राजधानी के सभी जोन और निगम कार्यालयों में ताले लगे हुए हैं। करीब 1500 नियमित कर्मचारी और 4500 प्लेसमेंट कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे हैं। इस बीच शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह बाधित हो गई है, जिससे आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

सभा को संबोधित करने वाले प्रमुख पदाधिकारी- नगर निगम रायपुर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष प्रमोद जाधव, महिला प्रमुख मोनिका यादव, उपाध्यक्ष स्वाति साहू, मोहित कुमार, श्याम सोनी, महामंत्री आशुतोष सिंह, राधेश्याम, महासचिव अंशुल शर्मा जूनियर, सैय्यद जोहेब, सचिव नितिश झा, योगेश कडू, सह सचिव रीना पाटले, भारतेष नेताम, कोषाध्यक्ष मोहित जयसवाल, मीडिया प्रभारी पीयूष अग्रवाल और राकेश दुबे, संगठन मंत्री संतोष वर्मा उपस्थित रहे।

5वीं अखिल भारतीय GRP प्रमुखों की सम्मेलन में रेलवे सुरक्षा को मजबूत करने और यात्री शिकायतों के समाधान पर जोर

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। भारतीय रेलवे सुरक्षा बल (RPF) द्वारा समन्वित, रेलवे मंत्रालय के तहत आयोजित 5वीं अखिल भारतीय तऋक्क प्रमुखों की सम्मेलन आज विज्ञान भवन, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों और सुरक्षा नेताओं ने यात्री सुरक्षा, अपराध निवारण रणनीतियों और रेलवे सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक मानव संसाधन आवश्यकताओं पर विचार-विमर्श किया।

सम्मेलन की शुरुआत रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतिश कुमार के उद्घाटन भाषण से हुई, जिन्होंने राज्य पुलिस बलों (GRP) और RPF के बीच सहयोगात्मक दृष्टिकोण के महत्व पर बल दिया, ताकि देशभर के लाखों रेलवे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके, विशेष रूप से यात्री शिकायतों और मामलों के पंजीकरण पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने रेलवे में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऋक्क्त के प्रयासों की सराहना की, जिसमे ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते, ऑपरेशन AAHT और मेरी सहेली जैसी पहल शामिल है। अपने स्वागत भाषण में, DG-RPF श्री मनोज यादव ने सुरक्षा बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि उभरती चुनौतियों का सामना किया जा सके और विशेष रूप से बढ़ते यात्री अपराधों को संभालने मे मदद मिल सके।

चर्चाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रेलवे मदद पोर्टल पर पंजीकृत यात्री शिकायतों और वास्तविक मामलों के पंजीकरण का तुलनात्मक विश्लेषण था, जो यह दर्शाता है कि रेलवे में होने वाले प्रमुख अपराधों से निपटने के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने की आवश्यकता है। नए आपराधिक कानूनों को लागू करने पर भी जोर दिया गया, जिसमें ʽero FIRs के कुशल संचालन और राज्यों के बीच अपराध रिपोर्टिंग, प्रमाण प्रबंधन और प्रभावी जांच के लिए e-FIR सिस्टम को एकीकृत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

एक और महत्वपूर्ण चर्चा का क्षेत्र रेलवे से संबंधित विभिन्न बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन मामलों पर केंद्रित था। प्रतिभागियों ने तऋक्क के लिए मानव संसाधन और बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं को निर्धारित करने के लिए समान मानक बनाने पर विचार किया, जिसमें रेलवे संचालन की विविध भौगोलिक परिस्थितियों और जटिलताओं को ध्यान में रखा गया। इन मानकों को समयबद्ध तरीके से निर्धारित करने के लिए एक समिति गठित की गई है। सत्र में भारत के विस्तृत रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक संरचित, Scalable ढांचे की आवश्यकता को रेखांकित किया गया।

अपने समापन भाषण में, DG-RPF ने सम्मेलन की सहयोगात्मक भावना की सराहना की, और कहा कि इस सम्मेलन ने रेलवे सुरक्षा को मजबूत करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प की पुष्टि की है। मानव संसाधन की चुनौतियों का समाधान, हमारे प्रणालियों का आधुनिकीकरण और अपराध प्रतिक्रिया तंत्र को बेहतर बनाकर, हम लाखों यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने की दिशा में निर्णायक कदम उठा रहे हैं। राज्य GRP की भूमिका और भारतीय रेलवे के साथ उनका साझेदारी इस यात्रा में महत्वपूर्ण है और हमें मिलकर रेलवे सुरक्षा के लिए नए मानक स्थापित करने चाहिए। सम्मेलन एक सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ समाप्त हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने क्रियाशील समाधानों पर सहमति जताई, जिसमें प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना, हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय और यात्री सुरक्षा पर सबसे अधिक ध्यान केंद्रित करना शामिल था।

जिला शिक्षा अधिकारी पी.के. भटनागर ने विद्यालयों का किया निरीक्षण

जशपुर (विश्व परिवार)। जिला शिक्षा अधिकारी पी .के. भटनागर ने कुनकुरी विकासखंड के विभिन्न स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण कर शैक्षणिक गुणवत्ता उन्नयन हेतु आवश्यक निर्देश दिए। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारी ने हायर सेकेंडरी लोयोला अंग्रेजी माध्यम स्कूल, लोयोला हिंदी माध्यम, कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल कुनकुरी, हायर सेकेंडरी स्कूल कुंजारा का आकस्मिक निरीक्षण कर संचालित छ:माही परीक्षा का अवलोकन किया। इन्होंने स्कूल के प्राचार्यों को विद्यालय में बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति का निर्देश देकर छ: माही परीक्षा के मूल्यांकन उपरांत बच्चों की विषयगत शंकाओं का समाधान करने को कहा, उन्होंने कहा कि विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षक यह सुनिश्चित करे कि जनवरी माह में कक्षा दसवीं एवं बारहवीं हेतु आयोजित होने वाली प्री बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत विद्यार्थी सम्मिलित हो। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि बोर्ड परीक्षा के लिए काफ़ी कम समय बचा है। अब सभी अपने विद्यालय के शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम हेतु कार्य करे। उन्होंने कहा कि जनवरी के प्रथम सप्ताह से यशस्वी जशपुर के तहत मिशन 40 डेज प्रारंभ होगा जिसके लिए जिला स्तर से कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं के विषय अनुसार प्रश्न बैंक उपलब्ध कराए जाएँगे। यशस्वी जशपुर के निर्देशानुसार बच्चों को परीक्षा की तैयारी कराई जानी है। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि स्कूलों में प्राचार्य एवं शिक्षकों की किसी भी प्रकार की लापरवाही किए जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

लापरवाही किए जाने पर होगी अनुशासनात्मक कार्यवाही : डीईओ

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर बुधवार 18 दिसंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

कांकेर जिले का संभाग स्तरीय बस्तर ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन

कांकेर(विश्व परिवार)। बस्तर ओलम्पिक 2024 के तहत संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 13 से 15 दिसम्बर तक इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम जगदलपुर में किया गया, जिसमें संभाग स्तरीय प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कांकेर जिले के प्रतिभागी खिलाड़ियों ने संभाग स्तरीय बस्तर ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक पदक प्राप्त किया है। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि खो-खो बालिका जूनियर प्रथम, खो-खो बालिका सीनियर प्रथम, खो-खो बालक जूनियर द्वितीय, खो खो बालक सीनियर प्रथम, कबड्डी जूनियर बालिका प्रथम, कबड्डी सीनियर बालिका सेकंड, कबड्डी जूनियर बालक प्रथम, कबड्डी सीनियर बालक तृतीय एवं रस्साकस्सी महिला प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार भारोत्तोलन जूनियर (बालिका वर्ग) 45 किलो वजन वर्ग में खुशबू ठाकुर 49 कि.ग्रा. वर्ग और 55 कि.ग्रा. में शांता यादव को रजत पदक प्राप्त किया। सीनियर (बालिका वर्ग) में प्रीति मरकाम स्वर्ण पदक, मेघा यादव रजत पदक, जूनियर (बालक वर्ग) में अमन पोटाई को कांस्य पदक और पुलस्त साहू को रजत पदक तथा सीनियर (बालक वर्ग) में लक्ष्य सिन्हा को स्वर्ण पदक व चेतन पटेल रजत पदक प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इसी तरह कराते जूनियर वर्ग (14 से 17 वर्ष) में राहुल शोरी, मनीषा यादव, पूर्वी शोरी और अंजली वट्टी ने सिल्वर, त्रिदेव वट्टी, सुनील उईके, डिकेश्वरी भास्कर ने ब्रोंज पुरस्कार प्राप्त किया। गोला फेंक जूनियर बालक वर्ग तृतीय और जूनियर बालिका द्वितीय, बैडमिंटन में सीनियर महिला तृतीय और जूनियर पुरुष तृतीय, बैडमिंटन डबल्स जूनियर वर्ग बालक द्वितीय, बैडमिंटन एकल बालक जूनियर तृतीय, 100 मीटर दौड़ सीनियर महिला तृतीय 200 मीटर दौड़ सीनियर महिला प्रथम, रिले रेस महिला सीनियर द्वितीय, 100 मीटर दौड़ बालक सीनियर प्रथम, 200 मीटर दौड़ बालक सीनियर द्वितीय, रिले रेस बालक सीनियर तृतीय, सीनियर महिला 400 मीटर दौड़ प्रथम, तवा फेंक सीनियर बालक द्वितीय, गोला फेंक जूनियर वर्ग बालिका प्रथम, द्वितीय, सीनियर वर्ग बालिका ऊंची कूद तृतीय और सीनियर वर्ग बालिका गोला फेंक में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

हिन्दू समाज ने किया विशाल बैठक का आयोजन

रामानुजगंज(विश्व परिवार)। नगर के वार्ड क्रमांक 9 में स्थित प्राचीन राम मंदिर में अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक सतानन्द महाराज की उपस्थिति में सर्व हिंदू समाज का विशाल बैठक आयोजित किया गया। जिसमें हिंदू समाज में जन जागृति लाने के लिए घर-घर में श्रीमद् भागवत गीता के संदेश को पहुंचाने के लिए श्रीमद् भागवत गीता घर-घर पहुंचाने हिंदू एकता पदयात्रा निकालने को लेकर विचार मंथन किया गया एवं लोगों के सुझाव लिए गए। बैठक का प्रारंभ हनुमान चालीसा पाठ एवं पूजा अर्चना के साथ हुआ। इस अवसर पर सतानंद महाराज ने कहा कि भारत भूमि में जन्म लेना हम सबके लिए सौभाग्य की बात है सनातन धर्म को दुनिया का सबसे पुराना धर्म माना जाता है। सनातन शब्द का मतलब है शाश्वत या सदा बना रहने वाला जिसमे वसुधेव कुटुंबकम की भावना निहित है। सनातन के कार्य के लिए हम सबको एकजुट होने की आवश्यकता है। सनातन धर्म को हिंदू धर्म या वैदिक धर्म के नाम से भी जाना जाता है। सनातन धर्म में ईश्वर आत्मा, मोझ, सत्य, अहिंसा, दया क्षमादान, जप, यम नियम वगैरह को सनातन माना गया है। इसमें ब्रह्मा, विष्णु और महेश को प्रमुख आराध्या माना गया है। सनातन धर्म में ही ऋषि मुनियों ने ध्यान कर ब्रह्म ब्रह्मांड और आत्मा के रहस्य को उजागर किया इस धर्म के मूल तत्वों को वेदों में अन्य प्रमुख धर्म के उदय से पहले ही प्रतिपादित कर दिया गया था। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल, विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता, जनजाति सुरक्षा मंच के मेंहिलाल आयाम गायत्री परिवार के एसपी निगम, अनूप कश्यप सहित बड़ी संख्या में सर्व हिंदू समाज के लोग उपस्थित रहे। साधु संतों की उपस्थिति में विशाल हिंदू एकता पदयात्रा निकाली जाएगी बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बलरामपुर रामानुजगंज जिले में साधु संतों की उपस्थिति में विशाल हिंदू एकता पदयात्रा निकाली जाएगी जो नगर जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत तक जाएगी। प्रत्येक गांव गांव के घर-घर तक हिंदू एकता पदयात्रा पहुंचेगी एवं श्रीमद् भागवत गीता भी प्रत्येक घर में दिया जाएगा।

दिव्यांगजनों को मिले सहायक उपकरण

कांकेर(विश्व परिवार)। समाज कल्याण विभाग द्वारा अंतागढ़ विकासखण्ड के दूरस्थ क्षेत्र ग्राम बंडापाल-गावड़ी के निवासी अस्थिबाधित दिव्यांग श्री रामसिंह नुरेटी को बैटरी चलित ट्राईसायकिल और श्री ब्रजलाल नेताम को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया।

नौ करोड़ का एनीकट भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा

रामानुजगंज(विश्व परिवार)। कन्हर नदी में करीब 9 करोड रुपए लागत से जल संसाधन विभाग के द्वारा एनीकट का निर्माण कराया गया था।जो भले ही भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ गया परंतु एनीकट के कारण आज झारखंड का ग्राम गोदरमाना बाजार बड़ा स्वरूप ले लिया है। एनीकट से रविवार के दिन हजारों हजार की संख्या में लोग छत्तीसगढ़ से गोदरमाना बाजार करने जाते हैं। एनीकट के बनने से भले ही जिस उपयोग के लिए एनीकट बना। निर्माण के बाद आज तक एनीकट का वह उपयोग नहीं हो पाया एनीकट का निर्माण नगर में अप्रैल में में होने वाले भीषण जल संकट से नगरवासियों निजात दिलाने के लिए बना था परंतु बनने के बाद कभी भी उपयोगी साबित नहीं हुआ है। परंतु एनीकट के कारण छत्तीसगढ़ एवं झारखंड के बीच व्यापारिक संबंध काफी मजबूत हुआ रविवार के दिन रामानुजगंज एवं झारखंड के ग्राम गोदरमाना में साप्ताहिक बाजार लगता है। परंतु एनीकट बनने के बाद गोदरामाना का साप्ताहिक बाजार में हजारों हजार की संख्या में लोग गोदरमाना एनीकट के रास्ते बाजार करने जाते हैं। छत्तीसगढ़ के दर्जनों गांव के लोग जाते हैं बाजार करने गोदरमाना..... झारखंड के ग्राम गोदारमना के बाजार का स्वरूप इतना वृहद हो गया है कि छत्तीसगढ़ के दर्जनों गांव के लोग बाजार करने के लिए यहां आना पसंद करते हैं रविवार के दिन आमंत्रण धर्मशाला के सामने सैकड़ो की संख्या में बाइक लगाकर लोग झारखंड के ग्राम कोदरमाना बाजार करने जाते हैं। छत्तीसगढ़ की ओर लगता है छोटा बाजार इससे कई गुना ज्यादा बड़ा बाजार लगता है गोदरमाना में..... एनीकट के छत्तीसगढ़ की ओर गिनती के दुकान लगाते हैं वही झारखंड की ओर सैकड़ो दुकान लगती है यहां छत्तीसगढ़ से भी काफी संख्या में लोग बाजार करने जाते हैं दिन प्रतिदिन यहां का बाजार वृहद होते जा रहा है। गोदारमना पैदल चलने की जगह नहीं मिलती है..... एनीकट के कारण गोदरमाना बाजार का स्वरूप इतना वृहद हो गया है कि एक और यहां बाजार लगाने के लिए काफी कम जगह है वही बड़ी संख्या में लोग यहां दुकान लगाने पहुंचते हैं ऐसे में पैदल चलना भी यहां मुश्किल होता है दुकानदार बताते हैं कि काफी अच्छी दुकानदारी होती है।

सुशासन सप्ताह में सभी अधिकारियों की रहे सक्रिय सहभागिता : कलेक्टर संजय अग्रवाल

जनसामान्य की समस्याओं एवं शिकायतों का संवेदनशीलतापूर्वक निराकरण करने के दिए निर्देश

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत 19 से 24 दिसम्बर तक सुशासन सप्ताह 2024 के तहत प्रशासन गांव की ओर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सभी अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी जनसामान्य की समस्याओं एवं शिकायतों को संवेदनशीलतापूर्वक निराकरण करें तथा जिम्मेदारी एवं योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जिले में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर, विकासखंड स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से जनसामान्य की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को जनसामान्य की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। सुशासन सप्ताह अंतर्गत प्रशासन गांव की ओर के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सुशासन से संबंधित मुद्दों पर बातचीत करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर के इस अभियान में सभी की सक्रिय सहभागिता होनी चाहिए तथा जन शिकायतों का निराकरण और सेवाओं की गुणवत्ता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को अच्छी सुविधाएं मिलनी चाहिए तथा शासन की योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने सभी विभागों को शिकायतों का निराकरण करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जनसहभागिता से प्राथमिक शाला एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में स्मार्ट टीवी एवं संपर्क डिवाईस के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई के लिए बेहतरीन पहल की गई है। इसी तरह जिला प्रशासन द्वारा कुपोषित बच्चों को सुपोषण की श्रेणी में लाने के लिए पोट्टु लईका पहल तथा जल संरक्षण के लिए विशेष तौर पर मिशन जल रक्षा अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शासन के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले में किसान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत किसानों को लाभान्वित करने के लिए कृषि एवं उससे जुड़े संबंधित विभाग कार्य करें।

महतारी वंदन योजना की राशि से गीता बाई ने अपने बेटे चन्द्रशेखर का कराया ईलाज

योजना के तहत मिली राशि से बेटे का बेहतर इलाज होने पर

बालोद(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त, सुदृढ़ और आत्मनिर्भर बनाने संचालित की जा रही महतारी वंदन योजना से अब महिलाएं स्वयं से फैसले लेकर बेहतर कार्य कर रहीं हैं। ऐसा ही एक कार्य बालोद जिले के वनांचल क्षेत्र डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम आमाडुला की गीता बाई सोनवानी ने किया है। गीता बाई ने एक माँ का फर्ज निभाते हुए अपने बेटे के इलाज में महतारी वंदन योजना से प्राप्त हो रही राशि का उपयोग किया है। गीता बाई ने बताया कि खेती किसानी और रोजी मजदूरी करके उनका जीवन बसर हो रहा है। ऐसे समय में एक दिन उनके बेटे चंद्रशेखर का दुर्घटना में कमर से पैर तक की हड्डियाँ टूटने से वे बेबस और लाचार हो गए थे। उनका बेटा 02 महीने अस्पताल में इलाज कराने के पश्चात् भी घर में ठीक से उठना-बैठना भी नही कर पा रहा था। जिससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना भी करना पड़ा। गीता बाई ने बताया कि अपने बेटे की हालत को देखते हुए उसने महतारी वंदन योजना से प्रतिमाह प्राप्त हो रही 01 हजार रुपए राशि का उपयोग बेटे के खान-पान और बेहतर इलाज के लिए किया। जिसका नतीजा यह हुआ कि आज उनका बेटा घर में चलना-फिरना कर पा रहा है। गीता बाई ने खुशी-खुशी बताया कि बेटे के ठीक होने से घर में खुशियों का दिन आ गया है। उसने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की महतारी वंदन योजना हम महिलाओं के लिए बहुत ही अच्छी योजना है। जिससे महिलाएं अपने छोटे-छोटे खर्च के साथ ही कुछ बड़े फैसले लेकर इस राशि का उपयोग बेहतर ढंग से कर पा रहीं है। गीता बाई ने महतारी वंदन योजना के बेहतर संचालन और प्रतिमाह आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को खुशी-खुशी धन्यवाद दिया है।

आईईडी ब्लॉस्ट में ग्रामीण की मौत

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि यहां आईईडी ब्लॉस्ट में एक ग्रामीण की मौत हो गई है। नक्सलियों ने यह बम जंगल में छिपाया था, इसकी चपेट में आने से ग्रामीण की मौत हो गई है। सूत्रों ने बताया कि इस घटना के बाद से ही इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद जवान मौके पर पहुंच कर जांच-पड़ताल में जुट गए हैं। बताया जा रहा है कि ब्लॉस्ट बारसूर थाना क्षेत्र के जंगल में हुआ है। यहां नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए आईईडी बम लगाया गया था।

तेंदुए की मौत को लेकर लापरवाह वन व पर्यावरण विभाग का खामियाजा लोगो को न भुगतना पड़े

गरियाबंद (विश्व परिवार)। बारुका ग्राम में लोगो के हाथो में आकर तिल तिल मरता रहा तेंदुआ और वन एवं पर्यावरण विभाग के अफ्सर मुकदर्शक बन कर हालत को देखते रहे,घटना स्थल पर जिला स्तर के अफ्सरों के पहुंचते ही अधीनस्त कर्मचारियो का पंहुचा भी जारी रहा। इधर लोगो की पकड़ तेंदुए पर और मजबूत हो रही थी और उधर उसकी सांसे उखड़ने लगी थी। बताया जाता है की तेंदुए को जाल में फ्सने के बाद उस पर मोटे डंडे से कई तगड़े वार किये गए थे। जिसमे तेंदुए का दाँत भी टूट गया था उसी समय तेंदुआ अधमरा हो गया था पर उसकी पूछ हिल डुल रही थी।

तेंदुए की मृत्यु के जिम्मेदारी विभाग के मुकदर्शक बने बेबस और लाचार अपने फ़र्ज़ के साथ दग़ाबाजी कर रहे उन अफ्सरों की है या उन लोगो की जिन्होंने भयभीत होकर इस लिंचिंग को अंजाम दिया । कंही अफ्सरों की लापरवाही की सजा ग्रामीणों को न भुगतना पड़े।

वन मंडला अधिकारी वन मण्डल गरियाबंद के घटना स्थल पर पहुंचते ही अगर तेंदुए को लोगो की पकड़ से छुड़ा कर विभाग के कर्मचारी मोर्चा संभालते तो शायद तेंदुए के हालत से अवगत हो सकते थे। एक तो भूखा प्यासा तेंदुआ ऊपर से घायल अवस्था में मनुष्यों की क्रूरता का शिकार हो गया । इस प्रकार की घटनाये अपने आप में एक आत्मघाती कदम भी साबित हो सकती थी जिसमे ग्रामीणों को और भी गभीर चोट व हादसा हो सकता था. घटना स्थल के सौ मीटर की दुरी पर वन विभाग के कई लापरवाह कर्मचारी भी अपनी ड्यूटी बजाते बैठे रहते है। वह लोग भी ग्रामीणों को तेंदुए को पकड़ने से रोक नहीं सके या प्रयास ही नहीं किया गया?

क्षेत्र में तेंदुए की भरमार- जिले में तेंदुए के देखे जाने या मनुष्यो पर हमले की यह पहली घटना नहीं है. जिला मुख्यालय के दोनों ओर तेंदुए की हलचल होती रहती है. कभी बछिया को शिकार बनाता है तो कभी कुत्तो को अपना शिकार बनाता है. किन्तु इस तरह लोग क़ानून को हाथो में लेकर अगर तेंदुए पर टूट पडेगे तो इंसान और जानवर में क्या फर्क रहा जायेगा।

छूडाने जा रहे है- वन विभाग के एक अफ्सर से उस समय ज़ब तेंदुआ पकड़ा गया जानकारी साझा की गई तो बड़े ही जोश में अफ्सर ने कहा की हम पकड़े नहीं छुड़ाने जा रहे है। जंगलो में लोगो ने घर बना रखा है। तेंदुआ उनके घर में नहीं यह लोग तेंदुए के घर में घुस गए है, परन्तु घटना स्थल में उन अधिकारी का जोश उड़ चूका था।

घटना से विभाग सबक लेगा की नहीं - लाखो रूपये विभाग जंगली जानवरो की सुरक्षा में खर्च करता है, करोड़ो का वेतन विभाग को दिया जाता है. फिर भी कई चीजों के लिए आपात कालीन स्थित में राजधानी का मुँह तकना पड़ता है जिसके कारण मनुष्य व जंगली जानवर के रेस्क्यू में बेवजह समय खत्म होता है. विभाग में इन परिस्तिथियो के लिए कर्मचारीयों को प्रशिक्षण देने उपकरण रखने की शक्त आवश्यकता है जिससे विभाग भी अपना काम पूरी जिम्मेदारी से कर सके। ऐसी घटना के दौरान विभाग के पास पर्याप्त जाल, पिजरा उन्नत उपकारण होना चाहिए।

जनदर्शन में दिव्यांग जयसिंह को मिला फ्री बस पास

कोण्डागांव(विश्व परिवार)। राज्य शासन के निर्देशानुसार नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में कई जरूरतमंदों को त्वरित सहायता मिल रही है। इसी क्रम में सोमवार को जिला कार्यालय में आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर कुणाल दुदावत के संवेदनशीलता से फरसगांव नगर पंचायत के झुलनाडिही निवासी दिव्यांग जयसिंह नेताम और श्रीमती सामबती को त्वरित राहत मिली। जनदर्शन में पहुंचे जयसिंह नेताम ने बताया कि वर्ष 2017 में ब्रेन ट्यूमर के कारण उनकी दोनों आंखों की रोशनी चली गई है और वे 100 प्रतिशत दिव्यांग हैं। उन्हें इलाज के लिए बार-बार रायपुर जाने की आवश्यकता के चलते बस किराये की वजह से उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए उन्होंने फ्री बस पास की मांग की। कलेक्टर ने उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए आरटीओ को तुरंत फ्री बस पास जारी करने के निर्देश दिए। बस पास पाकर जयसिंह ने जिला प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि इससे उन्हें इलाज के लिए रायपुर आने-जाने में आसानी होगी और उनकी आर्थिक समस्या कम होगी। ग्राम मोहलई से जनदर्शन में पहुंची दिव्यांग महिला श्रीमती सामबती राठौर ने चलने-फिरने में परेशानी और आवास की जरूरत को लेकर आवेदन दिया। कलेक्टर के निर्देश पर उन्हें समाज कल्याण विभाग से छड़ी प्रदान की गई और आवास उपलब्ध कराने के लिए जिला पंचायत को निर्देशित किया गया।

महतारी वंदन राशि से भारती साहू ने लघु व्यवसाय को दी मजबूती

सारंगढ़ बिलाईगढ़(विश्व परिवार)। महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। साथ ही उन्हें अपनी जिंदगी को बेहतर बनाने का मौका भी दे रही है। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम पंचायत सुतिउरकुली की भारती साहू ने राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना के माध्यम से न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, बल्कि आत्मनिर्भरता की मिसाल भी पेश की। भारती साहू एक गृहिणी हैं, जो अपने घर में ही एक जनरल स्टोर्स की दुकान चलाती हैं। महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 1000 रुपये की राशि पाकर भारती ने अपने छोटे से जनरल स्टोर्स में मनिहारी और किराना सामान लाने का काम शुरू किया। पहले, सीमित पूंजी के कारण वे दुकान में अधिक सामान नहीं रख पाती थीं, लेकिन इस योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता ने उनकी दुकान को नया रूप दे दिया।उन्होंने इस राशि का इस्तेमाल दुकान में आवश्यक वस्तुओं का स्टॉक बढ़ाने में किया। इसके कारण ग्राहकों की संख्या बढ़ी, और उनकी आय भी पहले से दोगुनी हो गई। अब भारती अपने परिवार की जरूरतों को आसानी से पूरा कर पा रही हैं और अपने बच्चों के भविष्य के लिए बचत भी कर रही हैं। भारती साहू ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का धन्यवाद करते हुए कहा कि महतारी वंदना योजना ने मुझे मेरे लघु व्यवसाय में सहायता की है, जिसमें मैं परिवार का खर्च स्वयं वहन कर आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हूं।

व्यापार समाचार

सब्जियों के भाव कम होने से तीन महीने के निचले स्तर पर थोक महंगाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। नवंबर में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई नवंबर 2024 में तीन महीने के निचले स्तर 1.89 फीसदी पर आ गई, जबकि अक्टूबर में यह 2.36 फीसदी थी. नवंबर में खाद्य वस्तुओं, खासकर सब्जियों की कीमतों में कमी आने के कारण डब्ल्यूपीआई महंगाई में गिरावट आई है. बता दें कि पिछले साल नवंबर में थोक महंगाई 0.39 फीसदी थी. सरकार ने सोमवार 16 दिसंबर को नवंबर महीने के लिए थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़े जारी किए. कोर महंगाई महीने-दर-महीने 0.3 फीसदी के मुकाबले 0.5 फीसदी रही. अक्टूबर में थोक महंगाई 2.36 फीसदी और सितंबर में 1.84 फीसदी रही. सरकार ने नवंबर में सकारात्मक महंगाई रेट का श्रेय खाद्य पदार्थों, खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, कपड़ा, मशीनरी और उपकरण आदि की कीमतों में बढ़ोतरी को दिया. अक्टूबर 2024 की तुलना में नवंबर 2024 में खनिजों (2.10 फीसदी), गैर-खाद्य वस्तुओं (0.56 फीसदी) और खनिज तेलों (0.72 फीसदी) की कीमतों में बढ़ोतरी हुई. दूसरी ओर, खाद्य वस्तुओं (-1.83 फीसदी), कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस (-0.41 फीसदी) और बिजली उत्पादन (-0.07 फीसदी) की कीमत में पिछले महीने की तुलना में नवंबर में गिरावट आई. थोक मूल्य सूचकांक या डब्ल्यूपीआई थोक व्यापारियों द्वारा अन्य कंपनियों के साथ थोक में बेची और कारोबार की गई वस्तुओं की कीमतों में बदलाव को मापता है. सीपीआई के उलटा जो उपभोक्ताओं द्वारा खरीदी गई वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों को ट्रैक करता है, डब्ल्यूपीआई फैक्ट्री गेट कीमतों और खुदरा कीमतों को ट्रैक करता है.

रेड जोन में खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 132 अंक लुढ़का, निफ्टी 24,753 पर

मुंबई(एजेंसी)। कारोबारी सप्ताह के पहले दिन शेयर बाजार रेड जोन में खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 132 अंकों की गिरावट के साथ 82,000.31 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 24,753.40 पर खुला. जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, जीएमएम फॉडलर, गोदरेज एग्रोवेट, अरबिंदो फार्मा, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, भारत फोर्ज, जयप्रकाश पावर वेंचर्स, प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स और नवीन फ्लोरीन इंटरनेशनल जैसे स्टॉक भी आज फोकस में रहेंगे. आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर हिंडाल्को, श्रीराम फाइनेंस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सिप्ला, टाटा स्टील के शेयर बढ़ोतरी के साथ कारोबार के दौरान, जबकि टाइटन कंपनी, जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, एचयूएल के शेयर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे. कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शेयर बाजार ने सुबह की गिरावट को रिकवर कर के बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 843 अंकों की उछाल के साथ 82,133.12 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.89 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 24,768.30 पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान निफ्टी पर भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन कंपनी के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे. जबकि श्रीराम फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील, हिंडाल्को, ट्रेंट के शेयर टॉप लूजर के लिस्ट में शामिल रहे. बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स सपाट कारोबार किए. सेक्टोरल फ्रंट पर ऑटो, बैंक, एफएमसीजी, टेलीकॉम में 0.5-2 फीसदी की तेजी आई, जबकि मेटल और मीडिया में 0.5 फीसदी की गिरावट आई.

वित्त वर्ष 2025 में भारत का राजकोषीय घाटा बजट अनुमान से कम रहेगा

नई दिल्ली(एजेंसी)। वित्त वर्ष 2025 में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 4.8 फीसदी रहने का अनुमान है, जो बजट अनुमान 4.9 फीसदी से थोड़ा कम है. केयरएज रेटिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार कुछ कमियों के बावजूद इस मामूली सुधार का क्रेडिट हेल्थ टैक्स कलेक्शन को जाता है. रिपोर्ट में बताया गया है कि राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.8 फीसदी पर अनुमानित करते हैं, जो बजट अनुमान 4.9 फीसदी से थोड़ा कम है. रिपोर्ट के मुताबिक सकल कर राजस्व में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और इनकम टैक्स कलेक्शन में मजबूत प्रदर्शन देखा गया है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 162740/ निविदा सूचना क्र. 07/वलेलि/2024-25, दिनांक : 13.12.2024

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 03.01.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम : रायपुर जिले के विकासखण्ड आरंग की महानदी परियोजना अंतर्गत लवन शाखा नहर के वितरक शाखा क्र. 02 का रिमॉडलिंग, सी.सी. लाईनिंग एवं स्ट्रक्चर्स का पुनर्निर्माण/ जीर्णोद्धार कार्य।

अनुमानित लागत : रु. 1116.56 लाख

एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 22.08.2022 तक))

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साईट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 20/02/2024 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल प्रबंध संभाग क्र. 2, बलौदाबाजार
कृते- मुख्य अभियंता महानदी परियोजना
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

जी- 242504594/3

गिलेस्पी ने बताया कि उन्होंने पाकिस्तान के कोच के पद से क्यों इस्तीफा दिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। जेसन गिलेस्पी ने खुलासा किया है कि मैच से पहले प्लेइंग इलेवन के बारे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ उनका कोई स्पष्ट संवाद नहीं था और उन्होंने कहा कि रेड-बॉल कोच के रूप में उनकी भूमिका केवल कैचों को मारने तक सीमित रह गई थी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज गिलेस्पी ने अप्रैल में दो साल के लिए पाकिस्तान के रेड-बॉल कोच का पद संभाला था और अक्टूबर में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में 2-1 से जीत दर्ज की थी। लेकिन गिलेस्पी ने पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका में पाकिस्तान की टेस्ट श्रृंखला से पहले अपने पद से इस्तीफा दे दिया। अकीब जावेद को अब पाकिस्तान का अंतरिम टेस्ट कोच नियुक्त किया गया है और अक्टूबर में गैरी कर्स्टन के पद से हटने के बाद वह व्हाइट-बॉल की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। मुझे लगा कि मैं मूल रूप से कैच पकड़ रहा हूं, और मैच की सुबह बस इतना ही था। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा में खेले गए तीसरे टेस्ट के दौरान एबीसी ग्रैंडस्टैंड शो में गिलेस्पी ने कहा, आप सभी हितधारकों, उदाहरण के लिए चयनकर्ताओं के साथ स्पष्ट संवाद करने में सक्षम होना चाहते हैं, ताकि मैच से पहले या कम से कम मैच से एक दिन पहले मुख्य कोच के रूप में टीम के बारे में अच्छी तरह से पता चल सके। उन्होंने यह भी कहा कि उनके और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच संवाद स्पष्ट नहीं था, जबकि उच्च प्रदर्शन कोच टिम नीलसन को बर्खास्त करने और चयन समिति में उनकी भूमिका कम करने सहित, अंतत: उन्हें अपनी भूमिका से हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। गिलेस्पी ने कहा, मैंने इस पद को खुले दिल से संभाला, मैं यह बात वास्तव में स्पष्ट करना चाहता हूं। मुझे पता था कि पाकिस्तान ने बहुत कम समय में कई कोचों को बदल दिया है, लेकिन मैंने अपना मामला आगे रखा और बताया कि मुझे कैसे लगा कि मैं मदद कर सकता हूं। आप ऐसा माहौल बनाना चाहते हैं जहां खिलाड़ी तनावमुक्त लेकिन केंद्रित हों और बाहर जाकर अपना काम करें और उन्हें बाहर जाकर खेलने की आज़ादी दें। मुझे लगा कि लाल गेंद में, टेस्ट टीम में, हम ऐसा करने में बहुत हद तक सही थे, जिसका नतीजा इंग्लैंड के खिलाफ़ सीरीज़ जीत के रूप में सामने आया। इसलिए जब मैंने नौकरी संभाली थी, तब से लेकर अब तक बहुत सारी अच्छी चीज़ें हुई हैं, मैं शुक्रवार को विमान में नहीं चढ़ा। मुझे लगता है कि सबसे बड़ी बाधा यह थी कि एक मुख्य कोच के रूप में, आप अपने नियोक्ता के साथ स्पष्ट संवाद करना पसंद करते हैं। मैं हाई-परफ़ॉर्मेंस कोच न रखने के फ़ैसले से पूरी तरह से स्तब्ध था। उन्होंने कहा, टिम नीलसन को बताया गया कि उनकी सेवाओं की अब ज़रूरत नहीं है और मुझे इस बारे में किसी से कोई संवाद नहीं मिला, और मुझे लगा कि पिछले कुछ महीनों में हुई कई अन्य चीज़ों के बाद, शायद यही वह क्षण था जब मैंने सोचा, ठीक है, मुझे सच में यकीन नहीं है कि वे वास्तव में मुझे यह काम करना चाहते हैं या नहीं। गिलेस्पी ने कप्तान शान मसूद के साथ अपने बेहतरीन संबंधों के बारे में भी विस्तार से बताया और कहा कि नीलसन के काम के बारे में फीडबैक सकारात्मक रहा है। मैंने टेस्ट कप्तान शान मसूद के साथ वास्तव में घनिष्ठ संबंध विकसित किए, और मुझे लगा कि हम निश्चित रूप से सही दिशा में जा रहे हैं और चीजें वास्तव में अच्छी चल रही हैं।

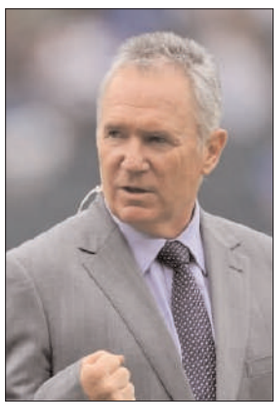

ऑस्ट्रेलिया में बुमराह के 50 विकेट लेने के बाद एलन बॉर्डर ने सराहा

ब्रिस्बेन(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान एलन बॉर्डर ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज मैल्कम मार्शल जितना ही ऊंचा दर्जा दिया है और कहा है कि उन्होंने बुमराह जैसा कोई गेंदबाज नहीं देखा है, जो शायद ही कभी विकेट लिए बिना गेंदबाजी करता हो। 2024 में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन को जारी रखते हुए, जसप्रीत बुमराह ने कपिल देव के बाद ऑस्ट्रेलिया में 50 टेस्ट विकेट लेने वाले केवल दूसरे भारतीय गेंदबाज बनकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। यह उपलब्धि तब हासिल हुई जब उन्होंने चल रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन मिशेल स्टार्क को आउट किया। उल्लेखनीय है कि 20वीं सदी की शुरुआत से, ऑस्ट्रेलिया में कम से कम 20 विकेट लेने वाले किसी भी गेंदबाज ने बुमराह के असाधारण 17.82 से बेहतर गेंदबाजी औसत नहीं बनाए रखा है। बुमराह ने 6-76 के शानदार आंकड़े हासिल किए, जिससे मेजबान टीम ने सोमवार को गाबा टेस्ट के तीसरे दिन अपने अंतिम तीन विकेट सिर्फ 40 रन पर गंवा दिए। बॉर्डर ने न्यूज कॉर्प से कहा, मैं उनकी तुलना मार्शल से ठीक से नहीं कर सकता क्योंकि मैंने कभी बुमराह का सामना नहीं किया, लेकिन उन्हें देखकर लगता है कि दोनों में बहुत अंतर नहीं है। बुमराह असाधारण हैं। वह शायद ही कभी विकेट लिए बिना कोई स्पैल फेंकते हैं। वह अलग हैं। उन्होंने कहा, अपने एक्शन की वजह से, वह गेंद को बाद में छोड़ देते हैं। और वह हर समय मुस्कुराते रहते हैं। वह लगातार तीन बार बल्लेबाज को चकमा दे सकते हैं और हर बार मुस्कुराते हैं।

मैंने उनके जैसा कोई नहीं देखा।

इससे पहले दूसरे दिन, 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ने ऑस्ट्रेलिया में अपना तीसरा टेस्ट पांच विकेट हॉल दर्ज किया। भारतीय गेंदबाजों में, केवल कपिल देव ने ऑस्ट्रेलिया में पांच बार पारी में पांच विकेट हॉल दर्ज किए हैं, जबकि अनिल कुंबले ऑस्ट्रेलियाई धरती पर चार बार पांच विकेट के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं।

टेस्ट क्रिकेट में बुमराह का यह 12वां और एसईएनए देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में आठवां पांच विकेट हॉल था। ऐसा करने वाले वह पहले भारतीय बन गए हैं। बुमराह ने कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ा, जो 7 बार पांच विकेट लेकर इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं।

ऑस्ट्रेलियाई धरती पर 50 विकेट के साथ बुमराह ऑस्ट्रेलिया में कपिल देव के 51 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकते हैं। वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के एक संस्करण में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी तोड़ने की राह पर हैं।

मौजूदा सीरीज में उन्होंने दो मैच बाकी रहते 18 विकेट लिए हैं। इससे वह 2001 में भारत में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में हरभजन सिंह के 32 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकते हैं।

अडाणी की संपत्ति में 40 बिलियन डॉलर की गिरावट, अंबानी को भी बड़ा नुकसान

आगे ट्रंप-मस्क बनेंगे चुनौती

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के सबसे अमीर शख्सियत मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी प्रमुख व्यावसायिक चुनौतियों के कारण 2024 में ब्लूमबर्ग के एलीट 100 बिलियन डॉलर क्लब से बाहर हो गए हैं. इस सूची में वे व्यक्ति शामिल हैं, जिनकी कुल संपत्ति 100 बिलियन से अधिक है. गौरतलब है कि भारत के दोनों उद्योगपतियों की संपत्ति में पिछले साल काफी कमी आई है. रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी को भी झटका लगा है, क्योंकि उनके ग्रुप के एनर्जी और रिटेल डिविजन ने खराब प्रदर्शन किया है. बढ़ते कर्ज को लेकर निवेशकों की चिंताओं ने उनकी संपत्ति पर और दबाव डाला है. ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स (बीबीआई) के अनुसार, जुलाई में उनकी संपत्ति 120.8 बिलियन डॉलर थी, जो घटकर 13 दिसंबर तक 96.7 बिलियन डॉलर रह गई. गौतम अडाणी के लिए चुनौतियां और भी अधिक हैं. उनका साम्राज्य अमेरिकी न्याय विभाग की जांच का सामना कर रहा है. नवंबर में की गई जांच और इस साल की शुरुआत में हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों के नतीजों ने उनकी टेंशन को और बढ़ा दिया है. नतीजतन, बीबीआई के आंकड़ों के अनुसार, अडानी की कुल संपत्ति जो जून में 122.3 बिलियन डॉलर थी वे गिरकर 82.1 बिलियन डॉलर हो गई है. इन झटकों के बावजूद भारत के सबसे अमीर व्यक्तियों ने कुल मिलाकर लाभ देखा. देश के टॉप 20 अरबपतियों ने सामूहिक रूप से 2024 में अपनी संपत्ति में 67.3 बिलियन डॉलर जोड़े, जिसमें टेक दिग्गज शिव नादर और उद्योगपति सावित्री जिंदल सबसे बड़े लाभार्थी बनकर उभरे, जिन्होंने क्रमशः 10.8 बिलियन और 10.1 बिलियन डॉलर की संपत्ति अर्जित की. रिपोर्ट में वैश्विक और घरेलू फैक्टर के कारण भारतीय व्यापारिक दिग्गजों के लिए अतिरिक्त अनिश्चितता को उजागर किया गया है. अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आगामी प्रशासन वैश्विक आर्थिक नीतियों को नया रूप दे सकता है, जबकि भारत के सैटेलाइट ब्रॉडबैंड बाजार में एलन मस्क के स्टारलिंक के संभावित प्रवेश से देश के टेलीकॉम सेक्टर के लिए एक प्रतिस्पर्धी खतरा पैदा हो सकता है. ब्लूमबर्ग की 2024 की सबसे अमीर परिवारों की लिस्ट के मुताबिक एलोन मस्क दुनिया के सबसे अमीर शख्स हैं, जनके पास कुल 439 बिलियन डॉलर की संपत्ति है. उसके बाद जेफ बेजोस का नंबर है, जिनके पास कुल 241 बिलियन डॉलर की संपत्ति है. वहीं, लैरी एलिसन, मार्क जुकरबर्ग और बर्नार्ड अर्नाल्ट का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है.

रॉयल एनफील्ड के प्रि-ओन्ड मोटरसाईकल बिज़नेस - रिओन का विस्तार हुआ; देश के 236 शहरों में उपलब्ध हुई प्रि-ओन्ड मोटरसाईकल

नईदिल्ली। मिड-साईज़ (250सीसी-750सीसी) मोटरसाईकल सेगमेंट में ग्लोबल लीडर, रॉयल एनफील्ड ने आज अपने प्रि-ओन्ड मोटरसाईकल बिज़नेस, रिओन का विस्तार किया। अब भारत के 236 शहरों में ग्राहक और रॉयल एनफील्ड बाईक प्रेमी अपनी पुरानी मोटरसाईकल को बेचकर नई रॉयल एनफील्ड बाईक आसानी से खरीद सकेंगे। 2023 में भारत के कुछ शहरों में पुरानी रॉयल एनफील्ड मोटरसाईकल खरीदने और बेचने के लिए रॉयल एनफील्ड का एक पारदर्शी प्लेटफॉर्म, रिओन पेश किया गया था। अब भारत के 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 236 शहरों में 475 रॉयल एनफील्ड डीलरशिप्स पर रिओन की सुविधा उपलब्ध है। यह भरोसेमंद और प्योर मोटरसाईक्लिंग अनुभव पेश करने वाली मोटरसाईकल प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाएगा। रॉयल एनफील्ड ने इस नेटवर्क विस्तार के अलावा एक्सचेंज बेनेफिट्स के साथ पहला लॉयल्टी प्रोग्राम भी पेश किया है। इस प्रोग्राम द्वारा ग्राहक अपनी पुरानी रॉयल एनफील्ड मोटरसाईकल को रिओन के आरई-टू-आरई एक्सचेंज के माध्यम से नई मोटरसाईकल से बदल सकते हैं।

रिओन के विस्तार के बारे में यादविंदर सिंह गुलेरिया, चीफकमर्शियल ऑफिसर, रॉयल एनफील्ड ने कहा, ''रॉयल एनफील्ड में हम निरंतर इनोवेट कर रहे हैं ताकि रॉयल एनफील्ड का मालिक बनने की खुशी ज्यादा से ज्यादा राईडिंग प्रेमियों को मिल सके। कुछ ही शहरों से शुरू होकर केवल एक साल में 236 शहरों तक रिओन का विस्तार ग्राहकों को रॉयल एनफील्ड मोटरसाईकल खरीदने का आसान अनुभव प्रदान करने का हमारा वादा प्रदर्शित करता है, फिर चाहे वो अपनी पहली मोटरसाईकल खरीद रहे हों या फिर पुरानी मोटरसाईकल को अपग्रेड कर रहे हों।'' रिओन राईडिंग प्रेमियों के बीच रॉयल एनफील्ड मोटरसाईकल खरीदने की बढ़ती इच्छा और महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए डिज़ाईन किया गया है। यह उन ग्राहकों के लिए वन-स्टॉप सॉल्यूशन है, जो प्रि-ओन्ड रॉयल एनफील्ड खरीदने में रुचि रखते हैं। इसका उद्देश्य विश्वास, सुविधा और ब्रांड का भरोसा प्रदान करते हुए ओनरशिप और अपग्रेड को आसान बनाना है। ग्राहकों द्वारा रॉयल एनफील्ड मोटरसाईकल खरीदना, बेचना और एक्सचेंज करना आसान बनाने के लिए रिओन इन-स्टोर और ऑनलाईन, दोनों विकल्प प्रदान करता है। अपनी पुरानी मोटरसाईकल बेचने के इच्छुक ग्राहक एक ऑनलाईन फॉर्म भरकर किसी भी स्थान से अपनी मोटरसाईकल की निशुल्क जाँच करवा सकते हैं। अगर पुरानी मोटरसाईकल रॉयल एनफील्ड की नहीं है, तो उनके एक्सचेंज के लिए रिओन ने एड्रॉयड ऑटो, सामिल और इंस्टाबिड के साथ गठबंधन किया है। रिओन पर सूचीबद्ध हर मोटरसाईकल रॉयल एनफील्ड द्वारा 200 से ज्यादा तकनीकी और मैकेनिकल परीक्षणों के बाद प्रमाणित की गई होती है, और उसे रॉयल एनफील्ड के अधिकृत सर्विस सेंटर्स पर ओरिज़नल पार्ट्स की मदद से रिफर्बिश किया जाता है। इसके साथ ही ये मोटरसाईकल 12 महीने की ब्रांड वॉरंटी और दो कॉम्प्लिमेंट्री सर्विस के साथ आती हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-बलौदाबाजार
Office Phone No.: 07727-296695 Email ID: ee-res.abhanpur@nic.in

// ई-निविदा आमंत्रण सूचना क.-14 //
(प्रथम बार)

क्रमांक/3250/निविदा/ग्रा.यां.से./2024-25 बलौदाबाजार, दिनांक 13/12/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 27.12.2024 तक ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है-

सिस्टम टेंडर नं	कार्य का विवरण	ठेके की अनुमानित लागत (लाख में)	ऑनलाईन निविदा आमंत्रण की अंतिम तिथि
1	2	3	4
162902/ NIT-14	Zonal Tender- 4 (Different Type of Works i.e. Road, Building, Concrete Works etc. but each work not exceeding cost of Rs. 25.00 lakh) Block-Balodabazar, Dist. Balodabazar-Bhatapara (C.G.)	40.00	निविदा आमंत्रण की अंतिम तिथि 27.12.2024
162903/ NIT-14	Zonal Tender- 5 (Different Type of Works i.e. Road, Building, Concrete Works etc. but each work not exceeding cost of Rs. 25.00 lakh) Block Balodabazar, Dist. Balodabazar-Bhatapara (C.G.)	40.00	

2/ निविदा की सामान्य शर्ते, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति (परिशिष्ट -2.10 एवं निविदा दस्तावेज परिशिष्ट-2.13) यथा संशोधित व अन्य जानकारी बेबसाइट HTTP://EPROC.CGSTATE.GOV. IN में अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर दिनांक 13.12.2024 से देखी जा सकती है।

(आर.आर. महिलांगे)
कार्यपालन अभियंता
ग्रा.यां. सेवा संभाग-बलौदाबार
जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

जी- 242504583/2

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 18 दिसम्बर 2024

तांदुला परियोजना के कार्यों के लिए 3.92 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर (विसं)। राज्य शासन ने बेमेतरा जिले के विकासखंड बेरला की तांदुला परियोजना के अंतर्गत आनंदगांव माईनर के रिमाडलिंग एवं लाईनिंग कार्य के लिए तीन करोड़ 92 लाख 6 हजार रूपए स्वीकृत किए है। सिंचाई योजना के कार्य पूर्ण होने पर योजना की रूपांकित सिंचाई क्षमता 584.22 हेक्टेयर क्षेत्र के विरूद्ध 274.44 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित पूर्ण रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से सिंचाई योजना के कार्य कराने के लिए मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है।

संक्षिप्त समाचार

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा आयोजित 'आंचलिक कबड्डी प्रतियोगिता (मध्य क्षेत्र) 2024' के फाइनल में हरियाणा ने राजस्थान को हराया

रायपुर (विश्व परिवार)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा दिनांक 16-17, दिसम्बर 2024 को सिब्बल पैलेस, सेरीखेड़ी, जी.ई.रोड, रायपुर के मैदान में आयोजित दो दिवसीय' आंचलिक कबड्डी प्रतियोगिता (मध्य क्षेत्र) 2024 'के दूसरे दिन में आज, दिनांक 17.12.2024 को हरियाणा की टीम ने राजस्थानकी टीम को 63-18 के स्कोर के भारी अंतर से हराया। आज खेला गया मैच अत्यंत रोमांचक रहा। प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री नामदेव साहू, सदस्य 'छत्तीसगढ़ राज्य कबड्डी फेडरेशन' एवं विशेष अतिथि के रूप में श्री कृपाराम साहू, सदस्य 'छत्तीसगढ़ राज्य कबड्डी फेडरेशन' उपस्थित थे। कार्यालय के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-I, श्री अभिषेक कुमार ने विजेता एवं उपविजेता टीम को शुभकामना देते हुए कहा कि खेल को खेल भावना के साथ ही खेला जाना चाहिए एवं सभी खिलाड़ियों, अतिथियों के साथ ही प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सम्बद्ध समस्त व्यक्तियों को धन्यवाद दिया। प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि द्वारा समस्त खिलाड़ियों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कलेक्टर-एसपी ने धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों में आज कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एवं एसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह पहुंचे। कलेक्टर एवं एसपी ने धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर एवं एसपी ने बरौदा, दौंदेकला एवं पचेड़ा के धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। कलेक्टर डॉ. सिंह ने धान खरीदी केंद्रों में धान के उठाव की व्यवस्था देखी और अधिकारियों को जल्द से जल्द धान के उठाव कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी केंद्रों में धान को सुरक्षित तरीके से रखा जाए और राइस मिलों द्वारा जल्द ही धान का उठाव किया जाना सुनिश्चित की जाएं।

दिवंगत सतवंत कौर चावला के पार्थिव शरीर का दान किया

रायपुर (विश्व परिवार)। वल्लभनगर रिंग रोड निवासी सतवंत कौर चावला (80 वर्ष) का सोमवार, 16 दिसंबर को निधन हो गया। वे स्व. हरबंश सिंह चावला की पत्नी एवं त्रिलोचन सिंह व वरिष्ठ भाजपा नेता मनमोहन सिंह चावला की माता थीं। उन्होंने अपने जीवनकाल में ही मरणोपरांत देहदान की घोषणा की थी, जिसका सम्मान करते हुए उनके परिजनों द्वारा उनके पार्थिव शरीर का दान मंगलवार, 17 दिसंबर को मेडिकल कॉलेज रायपुर को किया। विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं राजनीतिक पार्टी के नेताओं ने श्रद्धांजली दी।

कृषि भूमि की अवैध प्लाटिंग पर सख्त रुख, नए नियम होंगे लागू

5 डिसमिल से ऊपर कृषि भूमि की अवैध रजिस्ट्री पर लगेगी रोक, अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ शीघ्र होगी कार्रवाई

- बूढ़ा तालाब के सौंदर्यीकरण कार्यों की परखी जाएगी गुणवत्ता
- भाजपा विधायक राजेश मूणत ने किया घोषणा के लिए आभार

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के हर नगरीय निकाय और ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि काटकर प्लॉट बेचने के मामलों को लेकर राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने बताया कि वित्त मंत्री ओपी चौधरी और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने विधानसभा में घोषणा की कि अब 5 डिसमिल से ऊपर कृषि भूमि की रेरा या टाउन प्लानिंग से अनुमति लिए बिना प्लॉट काटने और बेचने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में रजिस्ट्री को प्रतिबंधित करने के लिए एक माह के भीतर नए नियम लागू किए जाएंगे। इन नियमों को केबिनेट से मंजूरी लेने के बाद विधानसभा में लाया जाएगा।

राजेश मूणत ने कहा कि इस मामले में सरकार ने पांच साल पहले डॉ. रमन सिंह सरकार के समय बने नियमों को सख्ती से लागू करने का निर्णय लिया है, जिनमें अवैध प्लाटिंग करने वालों को जेल भेजने का भी प्रावधान है। विधानसभा में शून्यकाल के दौरान अवैध प्लाटिंग पर चर्चा में भाग लेते हुए मूणत ने कहा कि प्रदेश के हजारों लोग बिना वैध लेआउट या अनुमति के कृषि भूमि खरीद चुके हैं, जिससे उन्हें बिजली, पानी, या नक्शा पास जैसी सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं। ऐसे मामलों में अवैध प्लाटिंग करने वाले लोग बड़ी रकम कमा लेते हैं, लेकिन खरीददार जीवनभर समस्याओं का सामना करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार इस संबंध में कानूनों को लागू करती है तो यह पूरे प्रदेश में अवैध प्लाटिंग को रोकने में मदद करेगा और लोगों को राहत मिलेगी। इस पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जवाब दिया कि पहले लैंड रेवेन्यू कोर्ट में 5 डिसमिल से छोटी रजिस्ट्री के मामलों में नामांतरण का प्रावधान था, लेकिन पिछली सरकार ने इसे समाप्त कर दिया, जिससे अवैध प्लाटिंग का सिलसिला बढ़ गया। उन्होंने कहा कि अब नए नियमों के तहत रेरा की अनुमति या टाउन प्लानिंग की प्रक्रिया के बिना बनाई गई अवैध कॉलोनियों की रजिस्ट्री को प्रतिबंधित किया जाएगा।

विधानसभा में भाजपा विधायक राजेश मूणत और अजय चंद्राकर ने राजधानी रायपुर के प्रसिद्ध बूढ़ा तालाब के सौंदर्यीकरण कार्यों पर सवाल उठाए। इस मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव और वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने संवेदनशीलता के साथ सकारात्मक रुख अपनाया। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने प्रश्नकाल के दौरान मंत्री अरुण साव से पूछा कि बूढ़ा तालाब के सौंदर्यीकरण पर कितनी राशि खर्च की गई है और यह काम किन-किन मदों से हुआ है। इस पर अरुण साव ने जवाब दिया कि यह कार्य स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत किया गया है।

अजय चंद्राकर ने इस जवाब पर सवाल उठाते हुए कहा कि स्मार्ट सिटी, पर्यटन मंडल, और नगर निगम से अलग-अलग मदों से राशि खर्च की गई है, और उन्होंने इस मामले की जांच की मांग की। वहीं, राजेश मूणत ने कहा कि इस परियोजना में तीन एजेंसियों द्वारा कार्य किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि 6 करोड़ की लागत से लगाए गए फाउंटेन का उपयोग नहीं हो रहा, और वह बंद पड़ा है, जिससे सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ है। मूणत ने कार्य की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए और पूरी परियोजना की जांच की मांग की। इसपर नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने कहा कि इस मामले की जांच कराई जाएगी और कार्यों की गुणवत्ता की समीक्षा की जाएगी। घोषणा पर मूणत ने जताया आभार, कहा- भाजपा राज में किसी के साथ अन्याय नहीं होगा।

सिपेट में SECL के द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन : VTC प्रशिक्षण प्रभारी

रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) में आज 6 माह के कोर्स मशीन ऑपरेटर प्लास्टिक प्रोसेसिंग (MO-PP) प्रशिक्षण एसईसीएल के द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री डी.आर. पोर्ते जी का सिपेट के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी श्री मनोज कुमार राजपूत ने पुष्प गुच्छ के माध्यम से मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि श्री पोर्ते जी को सिपेट के प्रबंधक तकनीकी श्री रवींद्र रेड्डी एवं प्रशासनिक अधिकारी श्री नीतेश कुमार जैन ने संस्थान के सभी विभागों का भ्रमण करवाया, उन्होने संस्थान की सभी विभागों का भ्रमण कर खुशी व्यक्त करते हुए सिपेट की सराहना की। मुख्य अतिथि महोदय ने अपने वक्तव्य में सभी प्रशिक्षणार्थियों के लिए अपने जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए सतत परिश्रम, मेहनत तथा ईमानदारी व अपने कार्य के प्रति लगन के द्वारा भविष्य को गढने के लिए संदेश देते हुए शुभकामनाएं दी।

प्रशिक्षण प्रभारी ने इस 6 माह के कार्यक्रम में सभी प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा एक व्यवस्थित दिनचर्या का पालन करते हुए सभी कक्षाओं तथा मशीनरी कार्यों को उत्सुकता से एवं सफलतापूर्वक सीखने पर सभी को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी। MO-PP पाठ्यक्रम को 38 प्रशिक्षणार्थियों ने सफलता पूर्वक पूर्ण करते हुए रोजगार प्राप्त किया। सभी प्रशिक्षणार्थियों को शैक्षणिक प्रमाण पत्र एवं नियोजन प्रमाण पत्र वितरित किए गए, इस अवसर पर पाठ्यक्रम प्रभारी नीरज कुमार सार्वा एवं अन्य प्रशिक्षकों की उपस्थिति रही।

पूर्व राज्यपाल रमेश बैस ने लोककला में समर्पण के लिए डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर का सम्मान किया

रविकांत कौशिक फाउंडेशन द्वारा लोककला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर का सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। रविकांत कौशिक फाउंडेशन द्वारा वरिष्ठ पत्रकार स्व. श्री रविकांत कौशिक की स्मृति में समर्पण सम्मान समारोह 2024 का आयोजन रायपुर प्रेस क्लब में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल रमेश बैस जी ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोककला संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ लोक कलाकार डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर को सम्मानित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश अध्यक्ष अमर परवानी ने की कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार दिवाकर मुक्तिबोध और दीपक लखोटिया मौजूद रहे। इस अवसर पर रमेश बैस ने स्व. रविकांत कौशिक के साथ अपनी यादों को साझा किया रमेश बैस ने कहा कि रविकांत कौशिक से उनका पत्रकार और राजनेता का संबंध नहीं था वह सदैव पारिवारिक सदस्य के रूप में मिलते थे बातों बातों में रविकांत कौशिक समाचार को निकालने में सक्षम थे। पत्रकारिता के क्षेत्र में दिए गए योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रविकांत कौशिक ने पत्रकारिता के क्षेत्र में ईमानदारी की मिसाल पेश की है। खबरों पर उनकी काफी अच्छी पकड़ थी। बिना किसी डर के बेबाक होकर सवाल करना कौशिक जी की विशेषता थी।

वहीं कार्यक्रम में स्वागत भाषण फाउंडेशन की संस्थापक स्वाति कौशिक चंद्राकर ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन वैभव बेमेतरीहा ने किया तथा आभार प्रदर्शन रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर ने किया।

संत बाबा गुरू घासीदास जयंती पर राज्यपाल रमेन डेका ने दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने संत बाबा गुरू घासीदास की जयंती पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि महान संत बाबा गुरू घासीदास ने सामाजिक, आर्थिक, शोषण तथा जातिवाद, सामंतियों के अन्याय और अत्याचार के विरूद्ध आवाज उठायी।

कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
कॉस्मेटिक सर्जरी
झुर्रियां, झांई, दाग, तिल, अनचाहे बाल आदि (आधुनिक लेजर द्वारा), मुहांसे, दाग, नाक, होंठ, ठोड़ी, वक्ष, पेट आदि (प्लास्टिक सर्जरी द्वारा) तथा अंग कटने-जलने की
अति विशेष चिकित्सा.
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

मनखे मनखे एक समान

सतनाम के प्रवर्तक,
छत्तीसगढ़ के जनमानस को एक नई सकारात्मक दिशा देने वाले
महान संत

बाबा गुरु घासीदास जी

की जयंती (18 दिसंबर) पर प्रदेश वासियों को हार्दिक

शुभकामनाएं...

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

SAMVAD- 42476/ 95

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए Q.R. Code स्कैन करें

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क